पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 182

ग्वालियर, रविवार, 22 अगस्त, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

वन-टू-वन

दिल्ली से पंजाब के लिए चलेंगी दो नई ट्रेनें

नई दिल्ली (ए)। उत्तर रेलवे ने लोगों की सहूलियत के लिए दिल्ली से मोगा और लोहियां खास के लिए दो ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक 27 अगस्त से ट्रेन संख्या 04081 नई दिल्ली से सोमवार व शुक्रवार को सुबह सात बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 2ः05 बजे मोगा पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन शकूरबस्ती, बहादुरगढ़, रोहतक, जींद, नरवाना, टोहाना, जाखल, लेहरा गागा, संगरूर, धूरी, लुधियाना और जगराओ स्टेशन पर रुकेगी। वहीं, 25 अगस्त से ट्रेन संख्या 04027 नई दिल्ली से हफ्ते में पांच दिन सुबह सात बजे रवाना होगा और लोहियां खास पर दोपहर 2ः50 बजे पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन शकूरबस्ती, बहादुरगढ़, रोहतक, जींद, नरवाना, टोहाना, जाखल, लेहरा गागा, संगरूर, धूरी, लुधियाना, जलंधर सिटी, कपूरथला एवं सुलतानपुर लोधी स्टेशन पर रुकेगी।

तालिबान ने भारतीयों समेत 150 लोगों को छोड़ा

नई दिल्ली (ए)। अफगानिस्तान से भारत के लिए बहुत बुरी ख़बर है। अल-इत्तेहा रूज़ की एक रिपोर्ट मुताबिक़ करीब 150 लोगों का अपहरण कर लिया गया है। इसमें से अधिकतर लोग भारतीय बताए जा रहे हैं। इन लोगों को काबुल एयरपोर्ट के नजदीक से किडनैप किया गया है। अल-इत्तेहा ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि अपहरणकर्ता तालिबान से जुड़े हुए हैं और वह 8 मिनीवैन में लोगों को तर्खिल की ओर ले गए हैं। बाद में अल-इत्तेहा ने बताया कि सभी भारतीय सुरक्षित हैं. जो लोग तालिबान द्वारा ले जाए गए थे उनके पासपोर्ट की जांच-पड़ताल करने के बाद छोड़ दिया गया है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि अपहरणकर्ताओं ने लोगों को दूसरे गेट से हवाई अड्डे तक पहुंचाने की बात कही थी लेकिन वे लोगों को कहां लेकर गए हैं, इसे लेकर चीज़ें अभी तक साफ़ नहीं है। तालिबान के प्रवक्ता अहमदुल्ला वासिक ने 150 से अधिक लोगों के अपहरण के आरोपों से इनकार किया है। अल-इत्तेहा की इस रिपोर्ट पर अब तक भारत सरकार ने कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जा होने से पहले ही हालात को देखकर भारत सरकार वहां से भारतीयों को निकालने में लगी हुई है। लेकिन अब भी अफगानिस्तान में कई भारतीय फंसे हुए हैं जिन्हें निकालने की कोशिश की जा रही है।

पीएम मोदी ने आशूरा के दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत को स्मरण किया

नई दिल्ली (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आशूरा के दिन हजरत इमाम हुसैन (एएस) के सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया और उनके साहस के साथ-साथ न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा की 'हम हजरत इमाम हुसैन (एएस) के सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हैं और उनके साहस के साथ-साथ न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को भी याद करते हैं। उन्होंने शांति और सामाजिक समानता को सदैव विशेष महत्व दिया।

उपराष्ट्रपति ने ओणम के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली (ए)। उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने ओणम के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उपराष्ट्रपति ने कहा-÷मैं ओणम के पावन अवसर पर अपने सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। ओणम, हमारे देश के विभिन्न भागों में फसल-कटाई के मौसम की शुरूआत का प्रतीक है और यह प्रकृति की प्राणशक्ति तथा प्रचुरता के मनाने का अवसर है। केरल के प्राचीन त्यौहार के रूप में ओणम, पौराणिक राजा महाबली की स्मृति के सम्मान में मनाया जाता है। फूलों का यह रंगारंग त्यौहार परिवार और मित्रों के लिए एक साथ मिलकर परम्परागत खेलों, संगीत और नृत्य का आनंद उठाने और शानदार प्रीतिभोज ओनासद्या का लुत्फ उठाने का अवसर है। मैं अपने नागरिकों से कोविड स्वास्थ्य और स्वच्छता नयाचारों की अनुपालना करते हुए त्यौहार मनाने का आग्रह करता हूं।

सूचना

1 यह है कि शपथ कर्ता उपरोक्त पते का निवासी है।
2 यह है कि शपथ कर्ता का पुत्र उदयवीर। अविवाहित है जो मेरे कहने में नहीं रहता।
3 यह की मुझ शपथ कर्ता ने अपने उक्त पुत्र उदयवीर से परिवारिक संबंध खत्म कर उसे अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है।
4 यह है कि उक्त पुत्र उदयवीर के द्वारा किए गए उसके निजी कृत्य लेन देन का एवं गैर कानूनी कार्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा मुझे शपथ कर्ता का उसे कोई संबंध व कोई सरोकार नहीं है अगर मेरा पुत्र कोई गैर कानूनी कार्य करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा उससे मेरा व मेरे दूसरे पुत्र अशोक कुमार कल्याण सिंह का कोई संबंध व सरोकार नहीं है।
5 यह की शपथ पत्र की मदर संख्या 1 लगा यत 4 शपथ कर्ता के निजी ज्ञान व विश्वास से सत्य व सही है जिसकी तस्दीक आज व दिनांक 21,08,2021 पर की गई।

10 ऑक्सीजन प्लांट का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

7 जिलों में 5500 लीटर प्रति मिनट क्षमता के प्लांट का शुभारंभ किया, 550 मरीजों को मिलेगी राहत

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए ऑक्सीजन और बेड की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शनिवार को 7 जिलों में 5500 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन क्षमता के 10 ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण किया। इससे 550 मरीजों को 10 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन की जरूरत पूरी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑक्सीजन के लिए हम परेशान रहते थे। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में 190 ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाए जा रहे हैं। 68 प्लांट लग चुके हैं। 65 में ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू हो गया है। हमारा संकल्प है, 30 सितंबर तक बाकी सभी ऑक्सीजन प्लांट्स भी क्रियाशील कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, जितनी ऑक्सीजन हम बाहर से लाते थे, उसकी आधी हम इन प्लांट्स से बना लेंगे। सीएम ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर को मध्य प्रदेश में रोकने के लिए कटिबद्ध हैं। एक तो कोशिश होगी कि लहर आए ही नहीं। दूसरी, अगर आ भी जाए, तो मुकाबले के लिए हम तैयार हैं। सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल एजुकेशन ने अपने क्षेत्रों में 784 अतिरिक्त आईसीयू बेड क्रियाशील कर लिए हैं। 650 और किए जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेजों और उनसे जुड़े अस्पतालों में पहले 2993 आईसीयू बेड थे, अब 445 अतिरिक्त बेड एक्टिव कर दिए जाएंगे।

मोदी के खिलाफ विपक्ष की मोर्चाबंदी पर बोले शिवराज, कांग्रेस डूबती नाव जो बैठेगा वो भी डूबेगा

भोपाल। *सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों की बैठक पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का न अस्तित्व है और न विचारधारा है। कांग्रेस तो ऐसी नाव हो गई तो जो खुद तो डूबेगी, जो उसमे बैठेगा वो भी डूबेगा। हम डूबे है सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। सीएम शिवराज ने कहा कि आजकल मैडम को विपक्षीय एकता याद आ रही है, जब कांग्रेस के पास कुछ नहीं है। कांग्रेस अपना अध्यक्ष तो बना नहीं पा रही है, कांग्रेस के पास क्या है। परिवार के मोह में अंधी कांग्रेस दिशा भ्रष्ट हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं तो यह संकल्प भी लेकर कि ट्विटर पर नहीं जनता के बीच रहकर राजनीति करें। सिर्फ ट्विटर से न तो पार्टी चलती है और न ही राजनीति। प्रतिदिन सुबहसुबह एक ट्वीट करते हैं। इससे आसान राजनीति और क्या हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ हो या फिर विकास कार्य, उनके लिए हर मुद्दा राजनीति का होता है। मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि हमारी पार्टी जमीन पर रहकर काम करती है।*

पुलवामा में मुठभेड़ में जैश के तीन आतंकियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया

श्रीनगर (ए)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। त्राल के जंगल वाले इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी मारे गए हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ये जानकारी दी है। सर्च ऑपरेशन जारी है और मामले में आधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। हालांकि, अब तक आतंकियों की पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के नागबेरान त्राल के वन क्षेत्र में ऊंचाई वाले इलाकों में घेराबंदी एवं तलाश अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ अभी जारी है। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादी मारे गए। दोनों आतंकवादी लोगों की हत्याओं के लिए जिम्मेदार एक दस्ते का हिस्सा थे। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया था कि सुरक्षाबलों ने पुलवामा जिले के पम्पोर इलाके के ख्रू में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी की और वहां तलाशी अभियान चलाया।

शहादत का पर्व मोहर्रम सादगी से मना, विसर्जित हुए ताजिये

भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल में हजरत इमाम हुसैन की शहादत का पर्व मोहर्रम मुसलमानों ने पूरी सादगी के साथ मनाया । पिछले साल की तरह इस बार भी कोरोना गाइडलाइन के कारण मातमी जुलूस नहीं निकले। नगर निगम प्रशासन व पुलिस की मौजूदगी में सादगी के साथ मुस्लिम समाज के लोग सजे हुए ताजियों को लेकर बड़े तालाब के कमला पार्क विसर्जन घाट सहित शहर के अलग-अलग 15 स्थानों पर ले गए और ताजियों का विसर्जन किया। भोपाल ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी की ओर से मस्जिदों में जुमा की नमाज पढ़कर अकीदतमंद बंदों ने विशेष इबादत की। अल्लाह से कोरोना मुक्ति की दुआएं मांगी गईं। शहर में दोपहर से ही ताजियों का विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर रात तक चलता रहा। वहीं शहर के सभी इमामबाड़ों में मजलिस नोहा सोज ख्वानी मातम हुआ। शहर के लाखों बंदों ने आशुरा का रोजा भी रखा। घर-घर नियाज फातेहा हुई। भूखे की भूख और प्यासे की प्यास बुझाने की परंपरा के तहत कई मोहल्लों में शर्बत व खिचड़ा बांटा गया। आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष डॉ औसाफ शाहमीरी खुर्रम मियां चिश्ती ने बताया कि मोहर्रम पूरी अकीदत के साथ मनाया गया। प्राचीन करबला मैदान पर मजहबी रसुमात अदा की गई। नगर निगम ने निशातपुरा, भानपुर, गांधीनगर, कोलार, अरेरा कॉलोनी, काजी कैंप, बुधवारा, टीला जमालपुरा, रेलवे स्टेशन, चांदबड़, मंगलवारा, इतवारा, आरिफ नगर, छोला, रिसालदार कॉलोनी, करोंद, अशोका गार्डन, ऐशबाग, शाहजहांबाद में ताजियों के विसर्जन के लिए वाहन भेजे थे, ताकि ताजियों को विसर्जित करने में दिक्कत न हो।

जबलपुर हवाई अड्डे के विकास के लिए 421 करोड़ रुपए की स्कीम को मंजूरीः मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली (ए)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी.के.सिंह (सेवानिवृत्त) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव प्रदीप खरोला के साथ वर्चुअल रूप से जबलपुर-दिल्ली सेक्टर के लिए इंडिगो उड़ान को झंडी दिखाई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों के साथ-साथ मध्य प्रदेश के जल संसाधन, मत्स्य पालन कल्याण और मत्स्य विकास मंत्री तुलसी राम सिलावट, मध्य प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति, अध्यात्म मंत्री उषा ठाकुर, मध्य प्रदेश के सांसद राकेश सिंह, मध्य प्रदेश के सांसद शंकर लालवानी ने मध्य प्रदेश से वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा, ÷हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले सात वर्षों में भारतीय उड्डयन का जनतंत्रीकरण संभव हो पाया है, जो उड्डयन आम लोगों के लिए दूर का सपना था, वह अब सभी के लिए सुलभ होता जा रहा है। जबलपुर मध्यप्रदेश के सबसे महत्पूर्ण शहरों में से एक है, इस शहर में विभिन्न सेक्टरों के लिए कई प्रकार के अवसरों की संभावना है। आज से, जबलपुर को देश की राजधानी दिल्ली और देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के साथ अतिरिक्त उड़ान कनेक्टिविटी प्राप्त हो गई है। इसके अतिरिक्त, इस शहर को 28 अगस्त 2021 से इंदौर तथा हैदराबाद से अतिरिक्त कनेक्टिविटी प्राप्त होगी। मुझे यह घोषणा करते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि पिछले 35 दिनों में हमने मध्य प्रदेश में 44 नई उड़ानों का प्रचालन आरंभ कर दिया है जिसमें से 26 विमान आवाजाही केवल जबलपुर से जुड़ी हुई है। महामारी के बावजूद हम न केवल पुराने रूटों का पुनरुत्थान कर रहे हैं बल्कि नई रूटें भी आरंभ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ÷आज हम न केवल नए रूट तथा जबलपुर से नई उड़ानें आरंभ कर रहे हैं, बल्कि हमने जबलपुर हवाई अड्डे के विकास के लिए 421 करोड़ रुपए की एक स्कीम को भी मंजूरी दी है। नए विकासों में 10 हजार स्क्वायर फीट के एक नए टर्मिनल भवन का निर्माण, एक नया एटीसी टावर तथा बड़े विमान प्रचालनों को व्यवहार्य बनाने के लिए रनवे के विस्तार को 1950 से 2750 मीटर करना शामिल है। मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में विख्यात जबलपुर में 8 जिलोंः जबलपुर, सिवनी, मांडला, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, कटनी, दिनदोरी तथा बालाघाट के डिविजनल मुख्यालय हैं। यह राज्य के सबसे मूल्यवान तथा विकसित शहरों में से भी एक है।

हनुमंत बाड़ा जैन मंदिर, जबलपुर मदन महल, धुआंधार जलप्रपात, चौंसठ-योगिनी, भेड़ा घाट, मदन महल किले के निकट बैलेंसिंग रॉक, कचनार शहर में शिव प्रतिमा, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान जैसे बाघ अभ्यारण्य तथा पेंच नेशनल पार्क दुनिया भर के पर्यटकों को आमंत्रित करते हैं। इस शहर का एक समृद्ध इतिहास है और यह भारत की विरासत में भी झांकने का अवसर प्रस्तुत करता है।

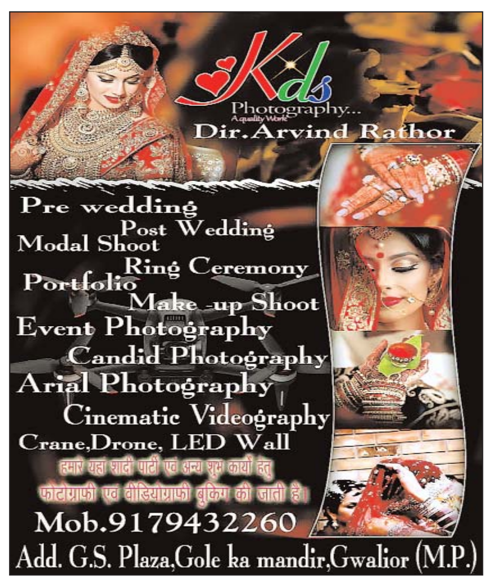

संक्षिप्त समाचार

पचावली से 17 किमी दूर टामकी में सिंध नदी किनारे मिला प्रभु आदिवासी का शव

शिवपुरी। जिले के कोलारस अनुविभाग के पचावली सिंध नदी के पुल टूटने के दौरान से गायब प्रभु आदिवासी की 4 दिन बाद लाश मिल गई है। लाश मिलते ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार 4 दिन पहले सिंध नदी का पुराना पुल टूट जाने से इस पुल की चपेट में पचावली के तीन लोग आ गए थे। जिसमें से 2 युवक तैर कर बाहर आ गए थे परंतु साथी प्रभु आदिबासी का कही कोई पता नही चल सका। जिसके चलते प्रशासन की एसडीआरएफ की टीम लगातार रेस्क्यु करती रही परंतु प्रभु का कही भी कोई पता नही चला। जिससे अनुमान लगाया जा रहा था कि प्रभु पुल के मलवे के नीचे दब गया। नदी में पानी अधिक होने से मालवा नही हट सका और प्रभु का कही कुछ पता नही चल सका। शुक्रवार को हुई बारिश के बाद अनुमान लगाया जा रहा है की सिंध नदी का जल स्तर ब? जाने के बाद प्रभु की लाश पानी से निकलकर घटना स्थल से लगभग 17 किमी दूर टामकी के पास किनारे पर मिली है,प्रभु के शरीर पर से कुर्ता गायब है वह पेंट पहना हुआ है।

कोचिंग संचालक की दरिंदगी का शिकार हुई लड़की की लाश फांसी पर लटकी मिली

शिवपुरी। खबर जिले के कोलारस अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले लुकवासा की हैं जहाँ लुकवासा में रहने वाली 18 वर्षीय किशोरी परिजनो को अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली।जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि किशोरी का 2018 में लुकवासा के कोचिंग संचालक ने उसके साथ बलात्कार किया था और कोचिंग संचालक के दोस्त ने उसके साथ छेडछाड की थी। दोनो आरोपियो को 26 जुलाई 2021 को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जानकारी अनुसार लुकवासा कस्बे में रहने वाली 18 साल की किशोरी ने अपने ही कमरे में परिजनो को आज सुबह फांसी के फंदे पर लटकी मिली। बताया जा रहा है कि रात 10 बजे तक किशोरी समान्य थी और अपने कमरे में सोने चली गई। किशोरी के कमरे में दरवाजा नही था,एक दुकाननुमा कमरा था जिसमें शटर लगी हुई थी। आज सुबह शटर न खुलने पर परिजनो को संदेह हुआ तो शटर को परिजनो ने बजाया जहाँ अंदर से कोई प्रतिक्रिया नही आई। उसके बाद परिजनो ने शटर को उठाया तो किशोरी फांसी के फंदे पर लटकी मिली उसके दोनो पैर जमीन पर ही थे। फांसी का फंदा किशोरी की चुन्नी का बना था जिसपर मामले की सुचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने किशोरी के शव को उतारा और पीएम के लिए पहुंचाया और इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि पुलिस को किशोरी के कमरे में उसका मोबाईल मिला हैं,मोबाईल कमरे में खडा रखा था अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी वीडियो कालिंग कर आत्महत्या की हैं। बार बार उसके मोबाईल पर फोन आ रहे थे। फिलहाल पुलिस ने मृतिका का मोबाईल जब्त कर लिया है और अंतिम कॉल किसको लगाया और सुबह किसके कॉल रानी के मोबाईल पर लगातार आ रहे थे। यह सबकी जांच पुलिस आगें करेगी। फिलहाल किशोरी का पीएम कर रानी की लाश परिजनो का सौंप दी।

बाढ़ के बाद राखी के बाजार में सूखा पिछली बार की तुलना में आधा

शिवपुरी।

4 माह पूर्व कोरोना को लेकर प्रदेश में लॉकडाउन रहा था। पूरे 2 माह तक बाजार बंद रहे थे। व्यपारियो का इसी लॉक डाउन के बीच शादियों का सीजन गुजर गया। व्यापारियो ने सोचा की सावन का बाजार हरा भरा रहेगा,लेकिन शिवपुरी में आई बाढ ने शिवपुरी के व्यपारियो के सपनो को भी डूबो दिया। बाढ के कारण शिवपुरी का सावन का बाजार पिछले वर्ष की तुलना में आधा रहा इसके बाद शाम को बारिश और गायब होती बिजली कम सितम नही कर रही है।

भाई बहन के प्यार का प्रतीक है रखी का त्योहार

भाई बहन के प्यार का प्रतीक त्यौहार रक्षाबंधन पर राखियो के साथ किराना,कपडे और मिठाई और गिफ्ट आईटम का बाजार हरा भरा रहता है,लेकिन अगस्त माह के शुरूवात में आई बाढ के कारण इस बार बाजार पिछली वर्ष की तुलना में आधा ही रहा है। राखी की दुकाने लगाने वाले हुकुम चंद्र राठौर ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रो मे बाढ आने के कारण किसान की फसल खराब हो गई इस कारण वह अपने पूरे मन से इस त्यौहार को नही मना रहा हैं वह शिवपुरी राखी खरीदने नही आया और स्थानीय स्तर से उसने सस्ती राखी खरीदी है। वही लॉकडॉउन और चंबल संभाग में आई बाढ के कारण बाजार की महगांई पर बात करते हुए पीयूष राठौर ने कहा कि दिल्ली का माल बाजार में कम आया हैं इसके कारण हैंडमेड राखी कम आई हैं। माल भी पिछली बार की तुलना में 35त्न से 40त्न मंहगा हुआ है। आम तौर पर राखी के 3 दिन पूर्व से बाजार चलना शुरू हो जाता हैं इस वार राखी रविवार की हैं,गुरूवार और शुक्रवार को हुई बारिश दोपहर के बाद शुरू हुई इस कारण घरो से राखी खरीदने कम महिलाए ही आई। अगर बारिश नही हैं तो अघोषित बिजली कटौती देर शाम की दुकानदारी खराब कर रही है। वही राठौरजी ने कहा कि अघोषित कटौती के बाद भी हमारे बिलो में कटौती नही हो रही है। वही पिछले 10 वर्षो से राखी के कारोबार करने वाले गुप्ता जी का कहना है कि देश में कोरोना ने बाजारो में ग्राहको का लॉकडाउन लगा दिया। पिछले वर्ष फसले अच्छी थी किसानो ओर व्यापारियो का मन खुश था इस कारण पिछली बार दुकानदारी उम्मीद से अच्छी थी। इस बार कोरोना काल में हुई मौतो और आई बाढ ने बाजार में मातम छा गया है। इसी प्रकार किराना व्यपारियो का कहना है कि ऐसा लग ही नही रहा है कि कल रक्षाबंधन का त्यौहार है,आम दिनो जैसी ही दुकानदारी हो रही हैं बस नरियल और सोनपपडी की ब्रिकी बडी है। वही कपडे के व्यापारी कहते नजर आए की बाजार उम्मीद के मुताबिक नही चला हैं। हमने नए डिजायन के माल मंगाए थे सोचो था राखी पर बाजार चलेगा लेकिन ऐसा नही हुआ है।

रेडिऐन्ट कॉलेज के 21 वे स्थापना दिवस पर रोपे गए 51 पौधे

शिवपुरी। रेडिऐन्ट के 21 वे स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ एस.पी.एस रघुवंशी , शहर के जाने माने वकील विजय तिवारी,लेखक एवं पत्रकार विपिन शुक्ला,मदद बैंक एव पर्यावरण के पत्रकार बृजेश सिंह तोमर एवं शासकीय आई.टी.आई शिवपुरी के प्राचार्य नितीन मंदसौर वाले के मुख्य अतिथ्य में न्यू रेडिऐन्ट आई.टी.आई एवं महाकाल वेयर हाउस पर 51 पौधे रोपे गये। इस अवसर पर एडवोकेट विजय तिवारी ने कहा की जितने पौधे लगाने की जगह हो और उनके देख रेख की व्यवस्था हो उतने की पौधे होने चाहिए।डॉ एस.पी.एस रघुवंशी ने कहा कोरोना समय में ऑक्सीजन को लेकर जो माहौल बना उसके सीख लेना चाहिए कि हमें कुछ पौधे अवश्य लगाने चाहिए। पत्रकार विपिन शुक्ला (मामा)ने कहा कि जीवन भर बृक्ष हमें कुछ न कुछ देते रहते है। इसलिए हमें कुछ पौधों का पालन पोषण करने की जिम्मेदारी लेना चाहिए। शासकीय आई.टी.आई शिवपुरी के प्राचार्य नितीन मंदसौर वालो ने मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना अंकुर अभियान की जानकारी दी एवं पौधारोपण को वायुदूत एप पर अपलोड करने की सलाह दी। महाकाल वेयर हाउस के संचालक वीरेन्द्र कुमार जैन , सीवान्स जैन ने वृक्षारोपण में रूचि दिखाई और कहा की मेरी जमीन में भी आप वृक्षारोपण कर सकते हो पौधो के देख रेख की जिम्मेदारी में स्वयं निभाउंगा। मदद बैंक के संचालक पत्रकार एवं पर्यावरणविद् बृजेश सिंह तोमर ने जमीन की प्रकृति अनुसार पौधे रोपने की सलाह दी। पौधे से पौधे के बीच की दूरी, खाद , पोषण एवं पौधों की देख रेख संबधी जानकारी दी।

एबी नेगेटिव ब्लड ग्रुप के लिए परेशान था भिंड निवासी विनोद मिश्रा अमित गोयल को फोन लगाया तो मिली सहायता

भिंड से आए मरीज विनोद मिश्रा शिवपुरी में ही ले रहे हैं स्वास्थ्य लाभ

शिवपुरी। सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामया इन दो पंक्तियों का अनुसरण कर जय माई मानव सेवा समिति शिवपुरी की ह्लह्व जरूरतमंद मरीजों को सहज रक्त उपलब्ध कराने का परोपकारी कार्य कई समय से कर रही है। इसी क्रम में जब बीते रोज समिति के अध्यक्ष अमित गोयल के पास भिंड से मरीज विनोद मिश्रा का फोन आया और उन्होंने अपनी परेशानी बताई कि उन्हें बवासीर है। जिसके कारण उन्हें लगातार ब्लड की आवश्यकता प?ती रहती है। साथ ही बताया कि उन्हें अभी तत्काल एबी नेगेटिव ब्लड की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि ग्वालियर तक प्रयास किया लेकिन इस ग्रुप का ब्लड ग्वालियर में भी नहीं मिला जिस पर जवाब में जय माई मानव सेवा समिति शिवपुरी के ह्लह्व अध्यक्ष अमित गोयल ने सहज भाव से कहा कि आप अपने अच्छे इलाज के लिए शिवपुरी ही आ जाएं जिससे हम ब्लड दिलवाने के अलावा आपकी देखरेख भी कर सकेंगे क्योंकि यदि एक के बाद और ब्लड की डिमांड यदि डॉक्टर के द्वारा की गई तो फिर आपको परेशानी होगी, अंधे को क्या चाहिए दो आंख मरीज विनोद मिश्रा तत्काल शिवपुरी आए।जहाँ उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया गया। जय माई मानव सेवा समिति शिवपुरी ह्लह्व के सदस्य अंकित सोनी द्वारा इन्हें एबी नेगेटिव ब्लड उपलब्ध करा दिया गया।जहाँ भिंड निवासी मरीज विनोद मिश्रा एवं उनके परिजनों ने जय माई मानव सेवा समिति का आभार व्यक्त किया है। समिति के अध्यक्ष अमित गोयल ने एक बार फिर उनसे आग्रह किया गया कि यदि आपको दोबारा भी आवश्यकता पड़ती है तो आप बेझिझक फोन लगा कर अवगत करा सकते हैं हम अपनी ओर से आपकी पूर्ण रूप से मदद करने का प्रयास करेंगे।

चाइल्ड लाइन बहनों ने बंधी रखी भाईयो ने गिफ्ट में किया सेनेटाइज़र एवं मास्क

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में चाइल्ड लाइन द्वारा किया गया आंगनवाड़ी केन्द्र पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शिवपुरी।

शहर में लाल माटी स्तिथ आंगनवा?ी केन्द्र पर बच्चों के साथ रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बहनों द्वारा अपने भाई की लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना के लिए उन्हें रक्षा सूत्र यानि राखी बांधने के अलावा अपने भाई की आरती उतारते हुए माथे पर तिलक लगाया। वहीं भाई द्वारा भी अपनी बहन का जीवन भर साथ देने व उसकी रक्षा करने का वचन दिया। भाई-बहन के प्रेम को समर्पित यह त्यौहार (रक्षा बन्धन) हर साल पूरे देश में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर चाइल्ड लाइन शिवपुरी द्वारा लाल माटी स्थित आंगनवा?ी केन्द्र पर बच्चों के साथ रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बहनों द्वारा अपने भाई की लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना के लिए उन्हें रक्षा सूत्र यानि राखी बांधने के अलावा अपने भाई की आरती उतारते हुए माथे पर तिलक लगाया। इसके अलावा सभी भाईयों द्वारा अपनी बहन को उपहार के रूप में मास्क व सेनिटाइजर भी दिया।चाइल्ड लाइन द्वारा सभी उपस्थित बच्चों को मास्क, सेनिटाइजर दिए गए जो उपहार रूपी भाई द्वारा अपनी अपनी बहनों को सुरक्षा हेतु दिया गया उनके द्वारा मास्क व सेनिटाइजर का इस्तेमाल करने की सलाह दी गयी। इस कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन से सेंटर समंवयक अरुण कुमार सेन, टीम सदस्य, हिम्मत सिंग, संगीता चव्हाण, विनोद परिहार, समीर खान, अवसार बानो, सुल्तान सिंग, काउंसलर सृष्टि औझा, वालिन्टियर नीरज कुमार।आँगनवा?ी कार्यकर्ता वीनू सेंगर, सहायिका रामसखी,महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के आदेश अनुसार शिवपुरी से सूअर हटाने के चलते एडवोकेट बिलगैया ने कलेक्टर को सौंपा पत्र

शिवपुरी।

शहर में सूअरों का आतंक सारी सीमाएं तोड़ चुका है। इसका हल होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। सूअरों को हटाने के लिए तीन दिन पहले अभिभाषक विजय तिवारी नगर पालिका प्रशासक और सीएमओ को नोटिस दे चुके हैं। वहीं अब एक अन्य अभिभाषक संजीव बिलगैयां ने कलेक्टर को पत्र लिखकर माननीय उच्च न्यायालय के सूअरों को शहर से हटाने संबंधित आदेश के पालन की मांग की है। सूअरों को हटाने के लिए जनहित याचिका डॉ. राजेंद्र गुप्ता ने दायर की थी और उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी आज दिनांक तक उसका कोई भी क्रियान्वयन नहीं हुआ है। कलेक्टर को लिखे पत्र में एडवोकेट बिलगैयां ने बताया है कि सूअर शूटआउट का जो आदेश पारित किया गया था,उस संबंध में बीते दिनों नगर पालिका ने शूटआउट के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। बदले में सूअर पालकों की तरफ से एक संस्था ने न्यायालय की शरण ली, जिसमें प्रकाशित विज्ञापन पर कार्रवाई हेतु यथास्थिति रखने का स्टे दे दिया गया। लेकिन श्री बिलगैयां का कहना है कि जनहित याचिका का पूर्व का जो आदेश उच्च न्यायालय ने दिया है।उस संबंध में आज भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। भले ही सूअरों को शूटआउट न किया जाए। लेकिन उस लंबित आदेश पर अमल तो हो सकता है। हाईकोर्ट ने तीन बिंदू का आदेश पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि सबसे पहले उक्त सूअरों को शहर के बाहर भेजा जाए। दूसरे बिंदू में सूअर पालक या उनके परिजन नगर पालिका में सेवारत हैं तो उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाए। फिर भी यदि वह न माने तो नगर पालिका से उन्हें टर्मिनेट कर दिया जाए। इसके अलावा सूअर पालकों के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इन्हीं सब बिंदूओं के पालन हेतु अभिभाषक बिलगैयां ने कलेक्टर को पत्र लिखा है। अब देखना होगा कि इस पत्र पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

शिवपुरी पुलिस को मिली सफलता रेलवे सुपरवाइजर से हुई लूट का पर्दाफाश कर तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार

शिवपुरी। पुलिस ने बीते रोज रेलवे सुपरवाइजर के साथ हुई लूट की घटना का पर्दाफाश कर दिया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से नकदी व हथियार भी बरामद किए। उक्त मामले को गंभीरता से लेकर शिवपुरी पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल द्वारा घटना का पर्दाफाश करने एवं आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए जिस पर से एएसपी प्रवीण भूरिया एवं एसडीओपी अजय भार्गव के मार्गदर्शन में एक टीम गठित की गई उक्त टीम द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया एवं आरोपियों की पड़ताल की गई। 21 अगस्त को को थाना प्रभारी कोतवाली बादाम सिंह यादव को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि मटका पार्क में तीन व्यक्ति कुछ पैसों का बंटवारा कर रहे हैं। संदिग्ध प्रतीत होते हैं जिस पर से थाना प्रभारी कोतवाली ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जिस पर से अति. पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी शिवपुरी के मार्गदर्शन में टीम को मटका पार्क को भेजा वहां पहुंचकर टीम ने देखा कि 3 लोग पैसों का बंटवारा कर रहे थे।

आज रक्षा का सूत्र भाई की कलाई पर बांधेंगी बहनें

भिण्ड। सावन मास के समापन के साथ ही रविवार 22 अगस्त को जिलेभर में रक्षा बंधन पर्व मनाया जाएगा। इस दिन बहनें, शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाई पर रेशम का धागा बांधकर दीर्घआयु की कामना करेंगी। वहीं, भाई अपनी बहन के रक्षा वचन को निभाते हुए उपहार देंगे। हर साल की तरह इस वर्ष रक्षा बंधन पर्व पर बहन अपने प्यारे भाइया के राखी बांधने का बेसब्री से इंतजार कर रही है। रक्षा बंधन पर्व से एक दिन पहले जिलभर के बाजारों में रौनक रही। महिलाएं और युवतियां, राखी की खरीदारी के लिए बाजारों पहुंची। सुबह से देर शाम तक शहर के बाजारों में महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ है।

रक्षा बंधन पर्व से एक दिन पहले शनिवार को जिले के छोटे-बड़े बाजार गुलजार हो उठे। दिनभर बाजार में ग्राहकों की भीड़ रही। कपड़ा बाजार से लेकर मिठाई की दुकानों पर चलह-पहल बनी रही। भिंड शहर में रक्षा बंधन त्योहार पर सदर बाजार, गोल मार्केट समेत अन्य बाजारों में महिलाएं खरीदारी करने आई। वे, दुकानों पर कतार में खड़े होकर खरीदारी करती रहीं। इधर व्यापारियों ने रक्षा बंधन को लेकर पूरी तैयार कर ली थी। हर दुकान पर अलग-अलग डिजाइनों के आइटम ग्राहकों को दिखाकर लुभाते रहे। शहर में छोटे-बड़े दुकानदारों द्वारा राखी से लेकर गिफ्ट की दुकानें सजाई गई है। राखी की दुकानों पर इस बार पांच रुपए से लेकर 250 रुपए तक की राखियां देखने को मिली। इसी के अलावा कई महिलाएं रक्षा बंधन पर्व को खास बनाने के लिए भाइयों को सोने और चांदी की राखी को खरीदेन के लिए ज्वैलर्स की दुकानों पर पहुंची।

बाजार में आई रौनक

शहर के कपड़ा व्यापारी मनीषा जैन का कहना है कि कोरानो काल की वजह से शहर का व्यापार पूरी तरह से ठप था। सहालग में व्यापारियों को व्यापार नहीं हुआ। राखी के त्योहार पर लोगों द्वारा नए कपड़े खरीदे जा रहे है। इस वजह से पिछले दो दिन से शहर में चलह पहल बड़ी है। महिलाएं ज्यादा खरीदारी करने आ रही है। व्यापारी वाजिद अली का कहना है कोरोना की वजह से धंधा चौपट रहा। रक्षा बंधन पर्व पर लोग बच्चों के लिए नए कपड़े खरीद रहे है। भाई भी अपनी बहनों के लिए साड़ियां खरीद रहे हैं। इसके अलावा महिलाएं बाजार में सौंदर्य प्रसाधन की खरीदारी जमकर कर रही हैं।

राखी बांधने का का शुभ मुहूर्त

इस साल पूर्णिमा की तिथि पंचांग के मुताबिक 21 अगस्त शनिवार को शाम 07 बजे से शुरू हो जाएगी। किन्तु सूर्योदय काल 22 अगस्त को रहेगा। इसलिए रक्षा बंधन रविवार को मनेगा। इस दिन सुबह से शाम 05 बजकर 31 मिनट तक तिथि रहेगी। रक्षा बंधन पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 15 मिनट से शाम 05 बजकर 31 मिनट कर रहेगा।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के तहत निशुल्क परामर्श शिविर का किया गया आयोजन

बीड़ी, गुटखा, तमाखू जैसी खतरनाक आदतों से किया निजात दिलाने का प्रयास

भिण्ड। अटेर विकासखंड अंतर्गत उदोतपुरा ग्राम पंचायत में 21 अगस्त को निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।यह शिविर सुबह 11 बजे से शुरू होकर दोपहर 2 बजे तक संचालित किया गया।जिसमें प्राकृतिक औषधियों से निर्मित इलेक्ट्रो होम्योपैथी तकनीक के तहत कई खतरनाक बीमारियों का न सिर्फ इलाज किया गया बल्कि इन बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए।यह शिविर कुशवाह क्लिनिक द्वारा लगाया गया। शिविर में डॉक्टर संतोष धोलकर, डॉक्टर शीलम कुशवाह, डॉ श्याम सुंदर कुशवाह, डॉक्टर इंदल कुशवाह, एवं टेक्नीशियन गजेंद्र शाक्य के द्वारा लोगों को सुझाव एवं इलाज किया गया। इस शिविर में बीड़ी, सिगरेट, गुटका तंबाकू, जैसी आदतों से दवा के माध्यम से छुटकारा दिलाने का आश्वासन दिया गया। वही गुर्दे की पथरी, पित्त की पथरी, जोड़ों का दर्द, कब्ज, मोटापा, श्वास, दमा, बबासीर, थायराइड, शुगर, पीलिया, माइग्रेन, चेहरे के दाग धब्बे ,मुंहासे, चर्म रोग, कैंसर, सफेद दाग, लकवा, गटिया, लिकोरिया, बच्चेदानी में गठान जैसे रोगों के रोकथाम के लिए दावा किया।

आधार कार्ड से अंगूठा लगाकर वृद्ध के खाते से 60 हजार नगदी पार

-बैंक में पासबुक एंट्री कराने गया वृद्ध तब जाकर मामले का हुआ खुलासा

भिण्ड। एक गांव में तीन युवक ओलावृष्टि सर्वे करने पहुंचे और एक वृद्ध को झांसे में लेकर उसके खाते से 60 हजार रुपये नगदी पार कर दी। जब वृद्ध बैंक में पासबुक एंट्री कराने के लिए गया, तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। यह वारदात फूप थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ा में घटित हुई। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर उक्त लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार लतीफ पुत्र मुनीर खान उम्र 84 वर्ष निवासी गढ़ा ने बताया विगत 6 अप्रेल 2021 प्रातः11 बजे धर्मेन्द्र जाटव, जितेन्द्र जाटव निवासी सुरपुरा, सोनवीर निवासी गोरमी उक्त लोग गांव में ओलावृष्टि की सर्वे करने के लिए आये और उसका आधार कार्ड मांगकर मशीन पर लगवाकर उसके खाते से 10-10 हजार रुपये करके कुल 60 हजार रुपये की रकम पार कर दी, जब वृद्ध बैंक में पासबुक एंट्री कराने के लिए पहुंचा तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने उक्त आरोपीगणों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

पांच मासूमों के सिर से कोरोना की बजह से उठा मां बाप का साया

मासूमों का प्रशासन नही बना सहारा तो पूर्व मंत्री ने बढ़ाये मदद के लिए हाथ

भिण्ड। लहार क्षेत्र के दबोह थाना अंतर्गत ग्राम आमाहा में पूर्व मंत्री डॉ गोविंदसिंह द्वारा दौरा करते समय बच्चों पर नजर पड़ी तो उन्होंने अनायास ही पूछ लिया आप कहा रहते है, किस स्कूल में पढ़ते है तो सात वर्षीय अनीता वाल्मीक अपने छः माह के भाई को गोद मे लिए दूसरे भाई बहनों की उंगली थामे अपनी पीड़ा सुनाने लगी। उसने पूर्व मंत्री एवं विधायक गोविन्द सिंह को बताया कि मई माह में कोरोना काल मे उंसके मां बाप का देहांत हो गया था वो कोरोना की बीमारी से ग्रसित थे मां बाप का साया उठने के बाद हम पांच भाई बहन अनाथ हो गए है तो विधायक ने पूछा तो खाने पीने की व्यवस्था कैसे होती है तो बच्ची अनीता ने बताया कि गॉव के लोगों से मांग कर खा लेते है इस बात पर डॉ गोविंद सिंह ने भिंड कलेक्टर को तत्काल फोन लगाया और बच्ची की समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा इसके बाद उन्होंने अपनी जेब से दो हजार रुपये निकालकर इसके बीस हजार रुपये बच्ची के खाते में डालने एवं दस हजार रुपये सरपंच से तथा दस हजार रुपये सचिव से देने को कहा यही प्रतिदिन बच्चों को दूध और खाने के लिए गॉव के कुछ लोगों को जिम्मेदारी दी तथा कहा कि इसका भुगतान स्वयं करने की बात कही । इसकेबाद उन्होंने बच्ची से कहा कि कुछ दिनों बाद आपके मकान की मरम्मत करवा कर आपके रहने की व्यवस्था की जायेगी। सोचने की बात यह है कि प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह कोरोना में मरने बालों को एक एक लाख देने की घोषणा की थी यह घोषणा कहा अटकी रह गई। यह परिवार वाल्मीक समाज से है निश्चित गरीबी रेखा के नीचे होगा तथा बीपीएल धारक भी होगा फिर अनाथ बच्चों को मिलने बाला मुफ्त का राशन आज तक क्यों नही मिला क्यों इन्हें बेसहारा छोड़ दिया गया?

एक माह से अनवरत चल रहे ॐ नमः शिवाय महामन्त्र जप का समापन कल

ॐ नमः शिवाय के जाप से मन शांत रहता है : श्री दयानन्द जी महाराज

भिण्ड। इटावा रोड स्थित सिटी कोतवाली के सामने कुण्डेश्वर महादेव मंदिर उदासीन आश्रम में चल रही श्री संगीतमई ॐ नमः शिवाय महामन्त्र अखण्ड जाप का कल श्रावण पूर्णिमा को समापन किया जायेगा जानकारी देते हुए महन्त स्वामी दयानन्द जी महाराज ने बताया है कि उक्त कार्यक्रम गुरुपूर्णिमा से अनवरत अखण्ड ॐ नमः शिवाय की धुन से गुंजायमान रहा जिसमे भक्तों ने भरपूर सहयोग किया दिन की पाली में समस्त महिला मण्डल व रात्री में पुरुषों ने जप किया श्रावण मास की पूर्णिमा को संपन्न होगा जिसमें आप सभी भक्तों की भी सहभागिता रही है हमारा देश कोरोना जैसी भयंकर महाभारी से जूझ रहा है इस हेतु देश राष्ट कल्याण की भावना से ये जाप केवल मानव जीवन की रक्षा के लिए भूत भावन प्रलयंकर देवों के देव महादेव भोलेनाथ से प्रार्थना हेतु किया है श्री स्वामी दयानन्द जी ने कहा कि इस पंच अक्क्षरी महामन्त्र ॐ नमः शिवाय से निकलने वाली धुन से प्रकृति में वातावरण शुद्ध होजाता मन व चित स्थिर रखने के लिए मनुष्य को ॐ नमः शिवाय का जाप हमेशा करते रहना चाहिये।

सर्किट हाउस में कमरा खुलने को भाजपा जिलाध्यक्ष का एसडीएम से हुआ विवाद

भिण्ड। शहर के सर्किट हाउस में कमरा न खुलने पर भाजपा जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर का भिंड एसडीएम उदय सिंह सिकरवार से विवाद हो गया। दरअसल भाजपा जिलाध्यक्ष विगत 16 अगस्त की शाम भिण्ड आए भिण्ड में आवास न होने की वजह से उन्होंने सर्किट हाउस में जाकर कमरा खुलवाया तो कर्मचारियों ने कमरे रिजर्व होने की बात कहकर कमरे नहीं खोले। इस बात पर जब भाजपा जिलाध्यक्ष नाथूसिंह गुर्जर भड़क गए तो कर्मचारियों ने कहा एसडीएम साहब से बात कर लो। गुस्साए जिलाध्यक्ष नाथू सिंह ने एसडीएम से बहस की और उनसे कहा- दो-दो जगह का चार्ज ले रखा है, मुझे सब पता है आप क्या-क्या कर रहे हैं। जिस पर एसडीएम सिकरवार ने जवाब दिया कि सरकार आपकी ही है, हम तो नौकरी कर रहे हैं। जहां रहेंगे वहां करेंगे। आपको दिक्कत है तो हटवा दो। इसके बाद दोनों में करीब आधे घंटे तक बहस हुई। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने एसडीएम पर जाति विशेष का काम करने का आरोप भी लगा दिया। हालांकि अब दोनों इस विवाद से इंकार कर रहे हैं।

मंशापूर्ण मंदिर सौन्दर्यीकरण में समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष ने लगाए भ्रष्टाचार के निराधार आरोप

भिण्ड। लॉकडाउन के दौरान मंदिर में हुए सौन्दर्यीकरण को लेकर मंशापूर्ण सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष शिवनाथ सिंह तोमर ने मंदिर समिति के सदस्यों पर भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाए हैं। पूर्व कोषाध्यक्ष शिवनाथ सिंह तोमर ने बताया कि मंदिर में सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान भुगतानकर्ता के हस्ताक्षर एवं नाम, पता दर्ज नहीं हैं। वहीं समिति के अध्यक्ष एवं श्यामसुंदर सिंह जादौन ने शिवनाथ सिंह तोमर के आरोपों का खंडन करते हुए प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को बताया कि कोषाध्यक्ष पद चले जाने से शिवनाथ सिंह तोमर तिलमिला उठे। उन्होंने मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य में सहयोग नहीं किया साथ ही कोषाध्यक्ष पद पर रहते हुए मंदिर की दानपेटियां समिति के सदस्यों के समक्ष नहीं खोली गई।

नकाबपोश बदमाशों ने व्यापारी के साथ की मारपीट

भिण्ड। गोहद थाना अंतर्गत नकाबपोश एक दर्जन बदमाशों ने एक व्यापारी के साथ जमकर मारपीट की। मारपीट का कारण एक रोज पहले व्यापारी ने 30 रुपए कम न करना बताया गया है। इस बात से नाराज होकर पहले ग्राहक बनकर आए बदमाशों ने पुलिस थाने में मामला दर्ज कराना चाहा। जब पुलिस ने मामले की जांच किए जाने की बात कही तो वे अपने साथियों के साथ आए और जमकर बीच बाजार में तीन लोगों की मारपीट की। यह पूरी घटना दो दिन पुरानी है। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। इस घटना के दौरान बाजार में कोई पुलिस बल तैनात नहीं था और ना ही किसी व्यापारी ने इन्हें बचाया। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली।

गोहद के सती बाजार वार्ड क्रमांक 15 में गुरुवार दोपहर 2:00 बजे किसान एग्रो एजेंसी के संचालक व्यापारी संदीप कुमार गुप्ता पुत्र नंदकिशोर गुप्ता के यहां कुछ बदमाश नकाबपोश आए उन्होंने हमला कर दिया। हमले के पीछे कारण बताया जा रहा था कि बुधवार को दो युवक लेजम लेने के लिए आए। लेजम का भाव व्यापारी से 1100 तय हुआ। दोनों लोगों ने 1 हजार 70 रुपए दिए। व्यापारी ने एक दाम 1100 देने की बात कही जिस पर दोनों युवक भड़क गए और व्यापारी को गाली गलौज करते हुए कहने लगे 30 ही तो कम है। जब व्यापारी ने मना किया तो उसके साथ मारपीट और गाली गलौज करने लगे, तभी बाजार के अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों लोगों को अलग कर दिया पर घटना स्थल पर दोनों ग्राहक व्यापारी को धमकाते हुए पुलिस थाने पहुंचे।

गोहद थाने से एक जवान ने व्यापारी नंदकिशोर गुप्ता और उनके पुत्र संदीप गुप्ता गोहद थाने आने को कहा। जिस पर व्यापारी ने पूछा तो बताया कि तुम्हारे खिलाफ शिकायती आवेदन आया है। व्यापारी ने आवेदन को गलत ठहराया और पुलिस को बताया कि हमारा कोई विवाद ही नहीं हुआ है जो दाम तय हुआ था उस दाम से कम पर लेजम लेना चाह रहे थे। लेजम देने से मना करने पर शिकायत की गई। इस पर पुलिस द्वारा शिकायत कर्ताओं को फोन कर थाने आने और व्यापारी के सामने बात रखने की बात कही गई। इसके बाद व्यापारी नंदकिशोर गुप्ता को घर जाने के लिए कहा और गुरुवार की सुबह बुलाया। इसके बाद गुरुवार की सुबह नंदकिशोर गुप्ता अपने पुत्र के साथ गोहद थाने पहुंच गया परंतु शिकायत कर्ता नहीं आए। इसके बाद गोहद थाना पुलिस ने व्यापार पर जाने की बात कहकर भेज दिया। दोपहर करीब 2 बजे के आसपास किसान एग्रो एजेंसी पर दुकान का संचालन कर रहे नंदकिशोर गुप्ता उनके पुत्र मनोज गुप्ता और पौत्र पियूष गुप्ता के साथ अचानक बाजार से मुंह बांध कर आए एक दर्जन से अधिक युवाओं ने लाठी-डंडों के साथ हमला कर दिया। इन बदमाशों द्वारा तीनों लोगों की जमकर बीच बाजार मारपीट की गई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान की जाएगी

बीच बाजार व्यापारी के साथ मारपीट की घटना करने वाले अपराधियों की शिनाख्त वीडियो के माध्यम से की जा रही है उनके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। वहीं, पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। बाजार में पुलिस बल तैनात रहेगा। यह घटना गुरुवार की है। सीसीटीवी कैमरे की तकनीकी सेटिंग सही न होने से टाइम गलत पुराना दिख रहा है।

कोरोना की चुनौती

विज्ञान और वैज्ञानिक सोच समझ के चलते दुनिया भर में यह यकीन लौट रहा है कि कोरोना विषाणु पर जल्दी जीत मिलेगी। पहली बार दुनिया का कोई देश इस महामारी से अछूता नहीं रहा और यह भी पहली बार हो रहा है कि लोगों की आस्था चर्च, मंदिर, मस्जिद या दुनिया भर के धर्म द्वीपों से हटकर विज्ञान और उसकी प्रयोगशालाओं की तरफ लौटी है। इसका असर शिक्षा व्यवस्था और विशेषकर विज्ञान की शिक्षा पर पढऩा लाजिमी है। निश्चित रूप से आर्थिक-सामाजिक व्यवस्थाओं में भी बदलाव आएगा, लेकिन इन सब बदलावों की बुनियाद में रहेगी शिक्षा और उसका चरित्र। इसी शिक्षा के बूते नौजवान पीढ़ी को रोजगार मिलेगा और उसी के बूते देश का विकास। मनुष्य के इतिहास ने इसे बार-बार सिद्ध किया है। यूरोप के पुनर्जागरण को याद करें। लगभग पांच सौ वर्ष पहले इसी वैज्ञानिक सोच तर्कशक्ति का अंजाम था भौतिकी, रसायन से लेकर डार्विन के विकासवाद तक के सिद्धांत। कोरोना विषाणु की महामारी को तो मनुष्य जाति के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी परिघटना माना जा रहा है। भारत में लॉकडाउन और दूसरे कदम तुरंत उठाते हुए अभी तक अद्वितीय सूझबूझ का परिचय दिया है। अंजाम भी सामने है। दुनिया की 22 फीसद आबादी वाले देश में महामारी का प्रकोप दो फीसद से भी कम है। लेकिन यही वक्त है उत्तर कोरोना काल के लिए तुरंत तैयार रहने का। इसमें जो जीता वाही सिकंदर! दुनिया भर के वैज्ञानिक अभी भी ऐसी संभावनाओं से घिरे हुए हैं कि जब तक इस विषाणु की कोई मुकम्मल काट नहीं खोज ली जाती और दुनिया भर में यदि एक भी व्यक्ति उससे संक्रमित रहता है, तो इसकी वापसी फिर वैसा ही कहर ढहा सकती है। हम सबने देश के लाखों मजदूरों को हाल में सड़कों पर रोते बिलखते देखा है और यह तबका ऐसे ही निर्वासन में आधा पेट काटने को मजबूर है। पूरी व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। पर अच्छी बात यह है कि देश के डॉक्टर, नर्स और पुलिस कर्मी जान की परवाह न करते हुए इस महामारी के मुकाबले के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं। लेकिन भविष्य तो शिक्षा में बुनियादी बदलाव से ही संभव है। शिक्षा के बुनियादी बदलाव में विज्ञान की वैसे ही वापसी करनी होगी जैसे 1957 में शीत युद्ध के दौर में रूस के अंतरिक्ष विज्ञान में आगे बढऩे की भनक ने अमेरिका की विज्ञान नीति को सदा के लिए बदल डाला था। या पिछले दो दशक में चीन ने विज्ञान और तकनीकी के बूते युद्ध, शोध, शिक्षा, रोजगार और यहां तक कि राजनय संस्कृति तक के समीकरण बदल दिए हैं। कोरोना विषाणु चीन से शुरू जरूर हुआ है, लेकिन विज्ञान के बूते ही चीन पर उतना असर नहीं हुआ जितना सारी दुनिया पर। यहां तक कि उत्तर कोरोना काल में चीन अपने विज्ञान और शिक्षा के बूते और बेहतर ढंग से दुनिया पर कब्जे की तरफ अग्रसर है। पुरानी कहावत का सहारा लें तो लोहा ही लोहे को काट सकता है, यानी 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीकी की चुनौतियों को विज्ञान और तकनीकी से ही परास्त करने की जरूरत है, न कि धर्म के काढ़े से। यह अटकलबाजी जरूर चल रही है कि दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन का विकल्प भारत में खोज रही हैं। पर यह हकीकत से दूर की कौड़ी है। क्या हमारे पास ज्ञान-विज्ञान में चीन की टक्कर की पढ़ी-लिखी पीढ़ी है? अफसोस की बात है कि हम आजादी के बाद वैज्ञानिक चेतना के नारे तो दीवारों पर लिखते रहे हैं, लेकिन समाज में वैज्ञानिक चेतना दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती। शर्तिया लड़का होने की दवा धड़ल्ले से बिकती है। पुराने ज्ञान आयुर्वेदिक प्रणाली आदि को नए वैज्ञानिक ढंग से दुनिया भर के सामने आजमाने और प्रस्तुत करने की जरूरत है।

भाई-बहिन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन

रमेश सर्राफ धमोरा

भाई-बहिन के प्यार का प्रतीक रक्षाबन्धन का पर्व देश का एक प्रमुख त्यौहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। रक्षाबन्धन पर्व में रक्षासूत्र यानि राखी का सबसे अधिक महत्व है। इस पर्व के दिन बहनें अपने भाई को राखी बांधती हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं। जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबन्धन का अभीष्ट मन्त्र है।

येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबलः

तेन त्वाम प्रतिबद्धनामी रक्षे माचल माचलः

इस श्लोक का अर्थ है जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना।

रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ। तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इन्द्र ने घबरा कर देवताओं के गुरू बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है।

कहते कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी।

राजपूत योद्धा जब शत्रु से युद्ध करने जाते थे तब महिलाएं उनको माथे पर कुमकुम का तिलक लगाने के साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा। राखी के साथ एक और प्रसिद्ध कहानी जुड़ी हुई है। कहते हैं मेवाड़ की रानी कर्मावती को बादषाह बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लडने में असमर्थ थी अतः उसने मुगल बादशाह हुमायूं को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुंच कर बहादुरशाह के विरूद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की। एक अन्य प्रसंगानुसार सिकन्दर की पत्नी ने अपने पति के हिन्दू शत्रु पुरू को राखी बांधकर अपना मुंहबोला भाई बनाया और युद्ध के समय सिकन्दर को न मारने का वचन लिया। पुरू ने युद्ध के दौरान हाथ में बंधी राखी और अपनी बहन को दिये हुए वचन का सम्मान करते हुए सिकन्दर को जीवन-दान दिया।

विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाडकर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और

श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया।

महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं।

महाराष्ट्र राज्य में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। इस अवसर पर समुद्र के स्वामी वरुण देवता को प्रसन्न करने के लिये नारियल अर्पित करने की परम्परा भी है। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बाँधी जाती है। चूड़ा राखी भाभियों की चूडियों में बांधी जाती है।

उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाडी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रीय समुदाय में रक्षा बन्धन गुरू के हाथ से बांधा जाता है। लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं।

रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। विवाह के बाद बहन पराये घर में चली जाती है। इस बहाने प्रतिवर्ष अपने सगे ही नहीं अपितु दूरदराज के रिश्तों के भाइयों तक को उनके घर जाकर राखी बांध कर अपने रिश्तों का नवीनीकरण करती रहती है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार जो कड़ी टूट गयी है उसे फिर से जागृत किया जा सकता है।

रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति इतनी लचीली है कि इस में हर संस्कृति समाहित होती चली जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, सौराष्ट्र से असम तक देखें तो यहां के लोग प्रतिदिन कोई न कोई त्योहार मनाते मिलेंगे। इन त्योहारों के मूल में आपसी रिश्तों के बीच मधुरता घोलने एवं सरसता लाने की भावना रहती है। भाई-बहन के बीच प्यार, मनुहार व तकरार होना एक सामान्य सी बात है। लेकिन रक्षा बंधन के दिन बहन द्वारा भाई के हाथ में बांधे जाने वाले रक्षा सूत्र में भाई के प्रति बहन के असीम स्नेह और बहन के प्रति भाई के कर्तव्यबोध को पिरोया गया है।

चैन से सोना है तो 'सोने' को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नज़र सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नज़र लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं। सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है %कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।।% इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है।

आतंक के सामने हक की आवाज उठाती अफगानिस्तान की आधी आबादी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

विश्व में सबसे ताकतवर व हितरक्षक होने का दावा करने वाले अमेरिका ने जो व्यवहार अफगानिस्तान के साथ किया ,उससे दुनिया मे भरोसा शब्द से विश्वास टूटा है।लेकिन अफगानिस्तान की बहादुर महिलाओं ने अपने अंदर के विश्वास व शक्ति को जिंदा रखते हुए आतंक के पर्याय के रूप में सामने खड़ी मौत को देखकर भी प्रतिवाद का जो साहस की वह काबिले तारीफ़ है।अफगानिस्तान में जहां एक तरफ तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद भय का वातावरण है। वहीं अफगानिस्तान की कुछ बहादुर महिलाओं ने गजब की हिम्मत दिखाई है।इन महिलाओ ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपने हकों के लिए जोरदार प्रदर्शन किया और तालिबान को खुली चुनौती देने का साहस दिखाया।वह भी तब जब उनका राष्ट्रपति देश का बेशकीमती खज़ाना लेकर देश छोड़कर भाग गया।जिससे देश की जनता पलभर भर में असहाय हो गई और देश को तालिबानियो ने अपने कब्जे में लेकर ओरतो,मर्दो और बच्चों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए।ये बहादुर महिलाएं काबुल के वजीर अकबर खान इलाके में अपने हक की आवाज उठा रही है।प्रदर्शनकारी महिलाओं की मांग है कि अफगानिस्तान से जुड़े अहम मसलों पर महिलाओं की राय भी ली जाए और उन्हें चैन से जीने का अधिकार मिले। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद से यह भय सभी को सता रहा है कि सत्ता पर काबिज तालिबान आतंकी संगठन महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करेगा? हालांकि तालिबान की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया गया है कि वह महिलाओं को शरिया कानून के तहत हक देगा। जिसमें महिलाओं को कुछ जगहों पर काम करने की आजादी की भी शामिल होगी।लेकिन तालिबान पर यकीन करना खुद को धोखा देने जैसा है।इसीलिए लिए अपनी जान हथेली पर रखकर अफगान की महिलाएं संघर्ष कर रही है।

काबुल में महिलाओं द्वारा प्रदर्शन के दौरान प्लेकार्ड दिखाते हुए मांग की गई कि अफगान की राजनीति, शासन और अर्थव्यवस्था से जुड़े फैसलों में महिलाओं को भी अपनी हिस्सेदारी चाहिए। आंदोलकारी महिलाओं ने मांग की है कि तालिबान सरकार उनको भूल ना जाए और उनपर ज्यादती न करें। अफगान में महिलाओं के साथ-साथ कुछ युवाओं ने भी प्रदर्शन किया ।उनका यह प्रदर्शन कुनार प्रांत में हुआ ।जिसमें मांग की गई कि तालिबान अफगान सरकार के झंडे को फहराने दे। यानि अफगान सरकार का झंडा हटाया न जाए, या फिर दोनों अफगान सरकार व तालिबान को मिलाकर कोई नया झंडा बनाया जाए।अफगान की राजधानी काबुल में 15-16 अगस्त के मुकाबले अब कुछ हालात सुधरे हैं।ऐसा दर्शाया जा रहा है। तालिबान के लोग हथियारों के साथ कम नज़र आ रहे है और वे मस्ती करते नज़र आ रहे है।अब अफगानिस्तान में दुकानें भी खुल गई हैं और सड़कों पर लोग घूमते-फिरते दिखाई पड़ रहे हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी धीरे-धीरे सामान्य होने की तरफ बढ़ रहा है।तालिबान ने पड़ोसी देशों के साथ सामान्य रिश्ता बनाये रखने की बात कही है और वायदा किया है कि अफगानिस्तानी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा। भारत इन बातों पर फिलहाल भरोसा नहीं कर रहा है,क्योंकि तालिबान भरोसे लायक नही है।भारत की रणनीति तालिबान के रवैये पर निर्भर करेगी और आगे के हालात की हर दृष्टिकोण से समीक्षा के बाद ही अफगानिस्तान के साथ संबंधों को लेकर फैसला होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में भी यही विमर्श हुआ। जिसमें अफगानिस्तान के ताजा हालात की समीक्षा की गई है। माना जा रहा है कि तालिबान के सत्ता में आने के बाद देश की पश्चिमी सीमा को लेकर उत्पन्न चुनौतियों की भी भारत ने समीक्षा की है। अफगानिस्तान में महिलाओं को सन 1960 के दशक से ही आजादी मिलनी शुरू हो गई थी। वहां की तत्कालीन सरकार ने महिलाओं के लिए समान अधिकार कायम किए थे। कुछ महिलाएं तो न सिर्फ विदेशी कपड़े तक पहन सकती थीं बल्कि कुछ को तो अकेले ट्रैवल करने, यूनिवर्सिटी जाने और यहां तक कि घर से बाहर जाकर काम करने का भी अधिकार मिला हुआ था।

राजस्थान में चलेगी गहलोत की मर्जी

सूडोकू नवताल- 5809

✱✱✱✱✱ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -5808 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान कांग्रेस में सत्ता को लेकर चल रहा संकट अभी नहीं निपट पाया है। इस कारण प्रदेश में बहु प्रतिक्षित मंत्रिमंडल में फेरबदल व विस्तार रुका पड़ा है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट में पिछले सवा साल से आरपार की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद भी दोनों गुटों के नेता झुकने को तैयार नहीं है। इस कारण राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के समक्ष असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दोनों ही गुटों के नेता अपने-अपने समर्थकों को लामबंद करने में लगे हुए हैं। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती है कि राजस्थान में सचिन पायलट समर्थकों को भी पर्याप्त सम्मान मिले व उन्हें भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। इसके लिए कांग्रेस आलाकमान द्वारा पूरी कवायद की जा रही है। मगर इसके उपरांत भी राजस्थान में मंत्रिमंडल में फेरबदल व राजनीतिक नियुक्तियां नहीं हो पा रही है। चुंकी अशोक गहलोत चाहते हैं कि मंत्रिमंडल का सिर्फ विस्तार किया जाए। मंत्रिमंडल में रिक्त स्थानों पर नए मंत्रियों की नियुक्ति हो। किसी भी वर्तमान मंत्री को हटाया नहीं जाए। जबकि कांग्रेस आलाकमान के पास राजस्थान सरकार के कई मंत्रियों के खिलाफ लंबी चैड़ी शिकायतें पहुंच रही है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी अपने समर्थक 6 विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करवाना चाहते हैं। जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पायलट समर्थक तीन लोगों को ही मंत्री बनाने की जिद पर अड़े हुए हैं। पायलट खेमे से मंत्री बनने वाले तीन विधायकों का चयन भी मुख्यमंत्री गहलोत अपनी मर्जी से करना चाहते हैं जो पायलट को मंजूर नहीं है।

पिछले महीने दिल्ली से वरिष्ठ नेताओं लगातार राजस्थान का दौरा कर गहलोत को मनाने का प्रयास करते रहे। मगर बात नहीं बन पाई। कांग्रेस के सबसे शक्तिशाली संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी शैलजा, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी इसी सिलसिले में राजस्थान का दौरा कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर पायलट गुट को समायोजित करवाने का प्रयास कर चुके हैं। राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन ने तो लगातार तीन दिनों तक कांग्रेस के सभी विधायकों, बसपा से आए 6 विधायकों, सरकार को समर्थन दे रहे निर्दलिय विधायकों से फीडबैक ले चुके हैं। फीडबैक के दौरान अधिकांश विधायकों ने माकन से सरकार में शामिल कई मंत्रियों की जमकर शिकायतें भी की थी।

अपनी तीन दिवसीय यात्रा के बाद दिल्ली रवानगी से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में माकन ने तो इतना भी कह दिया था कि मैं ही दिल्ली हूं। उनका ईशारा था कि वह जो निर्णय करेंगे वही कांग्रेस आलाकमान का निर्णय माना जाएगा। मगर मकान द्वारा लिए गए फीडबैक का अभी तक कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। वहीं मुख्यमंत्री गहलोत के नजदीकी स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने तो यहां तक कह दिया था कि राजस्थान में तो कांग्रेस के एकमात्र आलाकमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही है। जैसा गहलोत चाहेंगे वैसा ही राजस्थान में होगा। धारीवाल के बयान को माकन के मैं ही दिल्ली हूं वाले बयान का जवाब माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि धारीवाल से बयान दिलवाकर गहलोत ने माकन को भी उनकी सीमा में बांध दिया है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी राजस्थान का पूरा मामला हैंडल कर रही है। सचिन पायलट की बगावत के बाद प्रियंका गांधी के प्रयासों से ही पायलट बगावत छोड़कर फिर से पार्टी के साथ आ गए थे। उस समय प्रियंका गांधी ने पायलट से वादा किया था कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा और पार्टी में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा। प्रियंका गांधी के प्रयासों से ही गहलोत व पायलट के मध्य उपजे विवादों को दूर करवाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने वरिष्ठ नेताओं अहमद पटेल, केसी वेणुगोपाल व अजय माकन की एक तीन सदस्य समिति बनाई गयी थी। उस समिति को पायलट व गहलोत के मध्य सुलह करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मगर अचानक ही समिति के वरिष्ठ सदस्य अहमद पटेल का कोरोना से निधन हो जाने के कारण समिति एक तरह से निष्क्रिय हाने से आगे की प्रक्रिया रुक गई थी। लेकिन कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर समिति के दोनों सदस्य केसी वेणुगोपाल व अजय माकन जयपुर आकर वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

श्री श्रेयांसनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक

अरविन्द प्रेमचंद जैन

पुष्करार्धद्वीपसम्बन्धी पूर्व विदेह क्षेत्र के सुकच्छ देश में सीता नदी के उत्तर तट पर क्षेमपुर नाम का नगर है। उसमें नलिनप्रभ नाम का राजा राज्य करता था। एक समय सहस्राम्रवन में श्री अनन्त जिनेन्द्र पधारे। उनके धर्मोपदेश से विरक्तमना राजा बहुत से राजाओं के साथ दीक्षित हो गया। ग्यारह अंगों का अध्ययन किया और तीर्थंकर प्रकृति का बंध करके समाधिमरणपूर्वक अच्युत स्वर्ग के पुष्पोत्तर विमान में अच्युत नाम का इन्द्र हुआ।

गर्भ और जन्मः इसी जम्बूद्वीप के भरतक्षेत्र में सिंहपुर नगर का स्वामी इक्ष्वाकुवंश से प्रसिद्ध 'विष्णु नाम का राजा राज्य करता था। उसकी वल्लभा का नाम सुनन्दा था। ज्येष्ठ कृष्ण षष्ठी के दिन श्रवण नक्षत्र में उस अच्युतेन्द्र ने माता के गर्भ में प्रवेश किया। सुनन्दा ने नौ मास बिताकर फाल्गुन कृष्ण एकादशी के दिन तीन ज्ञानधारी भगवान को जन्म दिया। इन्द्र ने उसका नाम 'श्रेयांसनाथ रखा।

तपः किसी समय बसन्त ऋतु का परिवर्तन देखकर भगवान को वैराग्य हो गया, तदनन्तर देवों द्वारा उठाई जाने योग्य 'विमलप्रभा पालकी पर विराजमान होकर मनोहर नामक उद्यान में पहुँचे और फाल्गुन शुक्ल एकादशी के दिन हजार राजाओं के साथ दीक्षित हो गये। दूसरे दिन सिद्धार्थ नगर के नन्द राजा ने भगवान को खीर का आहार दिया।

केवलज्ञान और मोक्षः छद्मस्थ अवस्था के दो वर्ष बीत जाने पर मनोहर नामक उद्यान में तुंबुरू वृक्ष के नीचे माघ कृष्णा अमावस्या के दिन सायंकाल के समय भगवान को केवलज्ञान प्रगट हो गया। धर्म का उपदेश देते हुए सम्मेदशिखर पर पहुँचकर एक माह तक योग का निरोध करके श्रावण शुक्ला पूर्णिमा के दिन भगवान श्रेयांसनाथ निःश्रेयसपद को प्राप्त हो गये। पिछले भगवान शीतलनाथ अगले भगवान वासुपूज्यनाथ चिन्ह गैंडा पिता महाराजा विष्णुमित्र माता महारानी नन्दा वंश इक्ष्वाकु वर्ण क्षत्रिय अवगाहना 80 धनुष (तीन सौ बीस हाथ) देहवर्ण तप्त स्वर्ण सदृश आयु 8,400,000 लाख वर्ष वृक्ष मनोहर उद्यान एवं तुंबुरू वृक्ष प्रथम आहार सिद्धार्थ नगर के राजा नंद द्वारा (खीर) पंचकल्याणक तिथियां गर्भ ज्येष्ठ कृ. 6 जन्म फाल्गुन कृ. 11 सिंहपुरी (जिला-वाराणसी) उत्तर प्रदेश दीक्षा फाल्गुन कृ. 11 केवलज्ञान माघ कृ. अमावस मोक्ष श्रावण शु. 15 सम्मेद शिखर समवशरण गणधर श्री कुन्थु आदि 77 मुनि चौरासी हजार गणिनी आर्यिका धारणा आर्यिका एक लाख बीस हजार श्रावक दो लाख ,श्राविका चार लाख यक्ष कुमार देव यक्षी गौरी देवी।

गुस्से को काबू में करने के लिए रोजाना करें इन योगासनों का अभ्यास, जल्द दिखेगा असर

गुस्से को काबू में करने के लिए रोजाना करें इन योगासनों का अभ्यास, जल्द दिखेगा असर गुस्सा आना आम बात है क्योंकि यह एक भावनात्मक प्रवृत्ति है। हालांकि अगर आपको छोटी-छोटी बातों पर ही गुस्सा आने लगे तो इसे आम समझकर नजरअंदाज न करें क्योंकि इससे आपके व्यक्तित्व और सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आपको यह समस्या है तो आप गुस्से को काबू में रखने के लिए योग का सहारा ले सकते हैं। आइए आज आपको कुछ ऐसे योगासनों के अभ्यास का तरीका बताते हैं जो गुस्से को नियंत्रित करने में सहायक हैं।

अर्ध धनुरासन

सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने बाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए पीठ के पीछे ले जाएं और फिर इसकी एड़ी को बाएं हाथ से पकड़कर ऊपर उठाएं। इस दौरान अपने दाएं हाथ को जमीन पर रखें। अपनी क्षमतानुसार इस मुद्रा में बने रहें और धीरे-धीरे सांस लेते और छोड़ते रहें। फिर कुछ सेकेंड बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। अब इसी प्रक्रिया को अपने दूसरे पैर से भी दोहराएं।

सर्वांगासन

सर्वांगासन का अभ्यास करने के लिए पहले योगा मैट पर पीठ के बल लेटकर दोनों हाथों को शरीर से सटाकर सीधा कर लें। अब सामान्य रूप से सांस लेते हुए पैरों, कूल्हों और कमर को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं। इसके बाद हाथों से पीठ को सहारा देते हुए कोहनियों को जमीन से सटा लें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहें और धीरे-धीरे वापस अपनी प्रारंभिक अवस्था में आ जाएं।

सुखासन

सुखासन के लिए पहले योगा मैट पर पैरों को सीधा करके बैठें। अब बाएं पैर को घुटने से मोड़कर दाएं पैर की जांघ के नीचे रखें। इसके बाद दाएं पैर को मोड़कर बाएं पैर की जांघ के नीचे रखें। अब दोनों हाथों को ध्यान मुद्रा में घुटनों पर रखें और अपनी दोनों आंखों को बंद करें। इस दौरान अपने शरीर को आरामदायक स्थिति में रखें। कुछ सेकेंड इसी स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे आंखें खोलकर आसन को छोड़ दें।

बालासन

बालासन के अभ्यास के लिए पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें और फिर गहरी सांस लेते हुए हाथों को ऊपर उठाएं। अब सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें और माथे को जमीन से सटाएं। इस अवस्था में दोनों हाथ सामने, माथा जमीन से टिका हुआ और छाती जांघों पर रहेगी। कुछ सेकंड इसी मुद्रा में रहकर सामान्य रूप से सांस लेते रहें और फिर सांस लेते हुए वापस वज्रासन की मुद्रा में आएं और सामान्य हो जाएं।

अपने काम पर हमेशा फोकस रखती है रिधिमा पंडित

रिधिमा पंडित, जो वर्तमान में बिग बॉस ओटीटी में एक प्रतियोगी हैं, उन्होंने साझा किया है कि उन्हें ज्यादातर रियलिटी शो में क्यों देखा जाता है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने कभी भी अपने करियर की योजना नहीं बनाई, और उन्होंने अपने रास्ते में आने वाली चीजों को ना नहीं कहा है। रिधिमा ने 2016 में बहू हमारी रजनी कांत शो के साथ अभिनय की शुरूआत की, जहां उन्होंने एक सुपर ह्यूमनॉइड रोबोट रजनी की भूमिका निभाई। बाद में उन्हें कई रियलिटी शो द ड्रामा कंपनी, डांस चैंपियंस, फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 9 और खतरा खतरा खतरा में देखा गया। रिधिमा ने बताया, मैंने वास्तव में कभी भी अपने करियर की योजना नहीं बनाई है। मैंने अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को कभी न नहीं कहा है। मैं अपने रास्ते में आने वाली हर चीज का सम्मान करती हूं। बस मुझे होस्टिंग, अभिनय और वास्तविकता सामग्री का हिस्सा बनने का आनंद मिलता है। मैं अपने काम से कभी दूर नहीं रहती हूं। मैं खुद को किसी भी चीज तक सीमित नहीं रखूंगी, बल्कि वह सब कुछ करूंगी जो मुझे उत्साहित करता है और मुझे रूचि देता है डेली सोप की तुलना में रियलिटी शो के विकास और लोकप्रियता के बारे में बात करते हुए, रिधिमा ने कहा कि इसमें कोई तुलना नहीं है। उन्होंने कहा, काल्पनिक शो हमें उन दर्शकों के लिए खानपान का अवसर देते हैं जो हमें हर दिन अपने रहने वाले कमरे में रखने के आदी हैं। गैर-काल्पनिक के साथ ऐसा नहीं है।

जाह्नवी कपूर ने बना लिया है अपनी शादी का पूरा प्लान

जाह्नवी कपूर फिलहाल बॉलीवुड में अपना करियर सेट करने में लगी हैं. जाह्नवी ने अभी तक 4 फिल्में की हैं और वह हर एक फिल्म के साथ बेहतरीन एक्ट्रेस बन रही हैं. लेकिन इसके साथ ही जाह्नवी का अपनी शादी को लेकर भी पूरा प्लान तैयार है. जी हां, हाल ही में जाह्नवी ने अपना पूरा वेडिंग प्लान बताया है. जाह्नवी ने बैचलरेट पार्टी से लेकर शादी तक की पूरी तैयारी की हुई है. जाह्नवी का कहना है कि वह सिंपल और प्यारी शादी चाहती हैं जो 2 दिन में हो जाए. जाह्नवी ने बताया कि वह चाहती हैं कि उनकी बैचलरेट पार्टी कैप्री मे याच में हो और शादी तिरुपति में. उनकी मेहंदी और संगीत सेरेमनी मयलापुर में हो. जाह्नवी ने ये भी कहा कि उन्हें रिसेप्शन को लेकर कोई एक्साइटमेंट नहीं है. जाह्नवी ने कहा, 'रिसेप्शन जरूरी होता है क्या? नहीं न तो छोड़िए रिसेप्शन.' शादी की डेकोरेशन को लेकर जाह्नवी ने कहा, 'शादी की डेकोरेशन ट्रेडिशनल लेकिन सिंपल होगा. मोगरा और मोमबत्तियों से डेकोरेशन होनी चाहिए और 2 दिन में पूरी शादी हो जाए.' जाह्नवी से पूछा गया कि उनकी ब्राइड्समेड्स कौन होगी तो उन्होंने खुशी और अंशुला कपूर का नाम लिया. इसके साथ ही उन्होंने अपनी दोस्त तनिषा का भी नाम लिया. जाह्नवी ने कहा, 'मेरी शादी में खुशी और पापा इमोशनल हो जाएंगे तो ऐसे में अंशुला दीदी सब संभाल सकती हैं.' अपने वेडिंग आउटफिट को लेकर जाह्नवी ने कहा, 'मैं कांजीवरम या पट्टू पावड़ाई साड़ी पहनूंगी और वो गोल्ड की होगी. मेहंदी आउटफिट पिंक कलर का होगा और संगीत का आउटफिट येलो कलर का.' जाह्नवी ने कहा, 'मेरा पति समझदार होना चाहिए क्योंकि मैं अभी तक ऐसे किसी इंसान से नहीं मिली हूं.' तो जाह्नवी की इन बातों को सुनकर ये तो पता चल गया कि उन्होंने अपनी शादी की पूरी तैयारी कर ली है और अब बस लड़का मिलने की देरी है. जाह्नवी की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से डेब्यू किया था और इसके बाद वह 'घोस्ट स्टोरीज', 'गुंजन सक्सेना', और 'रूही' में काम कर चुकी हैं. अब जाह्नवी फिल्म 'गुड लक जेरी' और 'दोस्ताना 2' में नजर आने वाली हैं।

श्याम बेनेगल फिल्मों का विश्वकोश हैं : श्रेयस तलपड़े

अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने बॉलीवुड में अपने शुरूआती दिनों से ही अपनी काबिलियत साबित कर दी थी। उनकी शुरूआती फिल्मों में से एक वेलकम टू सज्जनपुर को दर्शकों ने खूब सराहा। 2008 में इक्का-दुक्का फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित, व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी ने 1975 में चरणदास चोर फिल्माने के बाद शैली में उनकी वापसी को चिह्नित किया। फिल्म में काम करने की यादों को याद करते हुए श्रेयस ने बताया, सज्जनपुर में आपका स्वागत है मेरी निजी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। मैंने फिल्म की शूटिंग के लिए बहुत अच्छा समय बिताया। हम 30 दिनों के लिए हैदराबाद में शूटिंग कर रहे थे।

श्रेयस ने अपने गांव के अशिक्षित लोगों के लिए एक पेशेवर पत्र लेखक की भूमिका निभाई, क्योंकि वह एक उपन्यास लेखक बनना चाहते थे। श्याम बेनेगल ने फिल्म के कथानक में अपनी कहानी कहने की कला को खूबसूरती से बुना है। महान निर्देशक के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए, श्रेयस ने कहा, श्याम बेनेगल फिल्मों के एक विश्वकोश की तरह हैं। मैंने उनसे सीखा, कि कोई भी कभी भी सीखना बंद नहीं करता है।

वह बहुत जिज्ञासु थे, सवाल पूछ रहे थे और चीजों के बारे में उत्सुक थे। वह हमारे साथ अलग-अलग कहानियां साझा करते थे। वह बहुत पढ़ते थे और उस ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करते थे। यह कुछ ऐसा है जो मैंने वास्तव में उनके बारे में प्रशंसा की और उनसे सीखा है। श्रेयस ने श्याम बेनेगल के निर्देशन के तरीके और उनके अभिनेताओं के साथ उनके समीकरण पर विचार किया। वह अपने अभिनेताओं पर बहुत भरोसा करते हैं।

उन्होंने हमें कुछ नया करने या कुछ नया करने की स्वतंत्रता दी। वह हमें सहज महसूस कराते थे। उन्होंने कहा, वह अपने अभिनेताओं से कहते थे, आप जो चाहें करें। चरित्र और परिदृश्य में रहकर हमने कुछ चीजें जोड़ी हैं। अगर संपादन तालिका में, उन्हें लगा कि दृश्य की आवश्यकता नहीं है, तो उन्होंने इसे काट दिया। लेकिन उन्होंने कहा, कुछ नया बनाने से खुद को न रोकें। आखिरकार, हम सपने सजा रहे हैं। हमें इसे अपने दर्शकों के लिए अच्छा बनाने की जरूरत है। श्रेयस ने क्रू और निर्देशक के साथ शूट के बाद साझा किए गए स्पष्ट पलों को याद किया। वो कहते हैं, शूटिंग के बाद भी बहुत मजा आता था। हर दिन यह एक बहुत ही आराम से मजेदार शूट हुआ करता था और शाम को हम सभी जिम में वर्कआउट करते थे। रात 8 बजे हम रेस्तरां में मिलते थे। अगर कोई कुछ शराब लेना चाहता था, हम उसे ऑर्डर करते और आराम करते। उन्होंने बताया कि कैसे बेनेगल फिल्म की शूटिंग के बाद अपने खाने को लेकर खास थे। श्याम बाबू हम सभी के लिए खाना मंगवाते थे और हर दिन वह पहले से ही शेफ को बता देते थे कि उन्हें रात के खाने में क्या चाहिए।

चाहे वह चिकन हो या मटन। वह अपने भोजन को पकाने के तरीके के बारे में बहुत विशिष्ट था। और हम सभी खाने की मेज पर बैठकर बात करते थे। ऐसी कई कहानियां थीं जो उन्होंने हमारे साथ साझा कीं। यह एक अद्भुत अनुभव था ।

श्याम बेनेगल के साथ श्रेयस के लिए यह एक अलग तरह के सिनेमा में काम कर रहा था। हालांकि अभिनेता उन दिनों को याद करते हैं, फिर भी वह समय के साथ चलने में विश्वास रखते हैं। फिल्में करते समय, कभी-कभी हम उन दिनों और उन लोगों को याद करते हैं जिनके साथ हमने काम किया है। हम सभी के लिए आगे बढ़ते रहना बेहतर है।

थाइज में दर्द होने पर अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

अक्सर वर्कआउट के दौरान या फिर वर्कआउट के बाद थाइज में खिंचाव आ जाता है और इस कारण असहनीय दर्द की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। थाइज में दर्द की समस्या अधिक चलने के कारण भी हो सकती है, इसलिए बेहतर होगा अगर आप अपनी क्षमतानुसार ही चलें। खैर वजह चाहें जो भी हो, आप इन घरेलू नुस्खे को अपनाकर थाइज के असहनीय दर्द से राहत पा सकते हैं।

गर्म सिकाई करें

अगर किसी भी कारणवश थाइज में दर्द हो तो हॉट पैड से प्रभावित जगह की सिकाई करें। अगर हॉट पैड न हो तो एक तौलिये को गर्म पानी में डुबो लें और इसे निचोड़कर चार-पांच मिनट तक प्रभावित जगह की सिकाई करें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि पानी अधिक गर्म न हो क्योंकि इससे त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। आप चाहें तो गर्म सिकाई की जगह ठंडी सिकाई भी कर सकते हैं।

जैतून के तेल से करें मालिश

जैतून के तेल में फेनोलिक कंपाउंड मौजूद होते हैं जो थाइज में होने वाले दर्द और सूजन को दूर कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले जैतून के तेल को हल्का गर्म कर लें और फिर इसे दर्द से प्रभावित थाइज पर लगाकर कुछ मिनट धीरे-धीरे मालिश करें। इससे आपकी थाइज की मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द के साथ-साथ सूजन भी दूर होती है।

सेंधा नमक आएगा काम

सेंधा नमक में मैग्नीशियम और सल्फेट जैसे पोषक तत्व सम्मिलित होते हैं जो दर्द निवारक की तरह काम करते हैं। इसलिए थाइज के दर्द से राहत पाने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। राहत के लिए पहले सेंधा नमक में पानी की कुछ बूंदें मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को प्रभावित हिस्से पर लगाएं। ऐसा करने से आपको दर्द से जल्द राहत मिल जाएगी।

प्याज भी है कारगर

प्याज में भी दर्द निवारक गुण मौजूद होते हैं जो थाइज के दर्द से राहत दिलाने में सहायक हो सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले एक बड़ी प्याज को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और फिर इन टुकड़ों को एक रेशमी कपड़े में रखें। अब इस कपड़े को दर्द वाली जगह पर कस कर बांध लें।

ज्यादा फिल्में होने पर दवाब महसूस नहीं करती है कृति सेनन

कृति सैनन हिंदी फिल्म उद्योग में इस समय अपने सुनहरे करियर के पीक प्वाइंट पर हैं। ज्यादा फिल्में होने के बावजूद इससे अभिनेत्री कोई दबाव महसूस नहीं करती है और इसके बजाय प्रेरित होती है। कृति की ताजा रिलीज मिमी है। उनकी डायरियां भरी हुई हैं क्योंकि उनकी लाइन-अप में हम दो हमारे दो, बच्चन पांडे, भेदिया और आदिपुरुष शामिल हैं।

कृति के पास इतना अधिक काम है, क्या वह दबाव महसूस कर रही है?

जवाब आया, नहीं, कोई दबाव नहीं है।

फोर्ब्स की 2019 की भारत की सेलिब्रिटी 100 सूची में दिखाई देने वाली अभिनेत्री ने कहा, मैं उत्साहित, प्रेरित और रोमांचित महसूस करती हूं क्योंकि मैं यही करना चाहती थी। यही वह जगह है जहां मैं पहुंचना चाहती थी और जब मैं वहां पहुंच गई हूं तो मेरे सामने इस तरह के अवसर है। कृति अपने रास्ते में आने वाले काम से खुश हैं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसी फिल्में कर रही हूं जो किसी भी शैली या स्वाद में बिल्कुल भी समान नहीं हैं। मुझे कई तरह के किरदार निभाने को मिल रहे हैं, ऐसे अद्भुत निर्देशकों और कहानियों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है जिसका मैं हिस्सा बनना चाहती हूं।

वन-टू-वन

इंदौर में कैदी ने कटर से गला काटा, मौत

भोपाल। इंदौर के सेंट्रल जेल में कैदी ने शनिवार सुबह इलेक्ट्रिक कटर से गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली गई। इलेक्ट्रिक कटर उसे काम के लिए दिया गया था। कटर को अपने गर्दन पर लगाकर बटन दबा दिया। साथी जब तक मशीन को बंद करते तब तक उसकी मौत हो गई। कैदी आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। घटना की जानकारी लगने के बाद एमजी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कैदी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एमजी रोड थाना प्रभारी धर्मवीर सिंह नागर ने बताया कि घटना सुबह 8ः20 बजे के लगभग की है। जेल में बंद अनिल यादव पुत्र वीर सिंह यादव (48) जो कुछ ही दिन पहले नरसिंहपुर जेल से इंदौर सेंट्रल जेल ट्रांसफर हुआ था। अनिल वर्ष 2019 में हुई एक घटना में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। अनिल इंदौर के आजाद नगर इलाके का रहने वाला था। सुबह अनिल अपने सहयोगी कैदी जितेंद्र के साथ जेल में बने लकड़ी कारखाने में गया। वहां कारखाना इंचार्ज महादेव ने सभी को काम करने के लिए औजार दिए गए। इसके तुरंत बाद अनिल ने इलेक्ट्रिक कटर को दाहिने तरफ रखकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय जितेंद्र ने अनिल से मशीन छीनने की कोशिश की, लेकिन अनिल नहीं छोड़ी। इसके बाद जितेंद्र तुरंत जाकर पावर प्लग निकाला और मशीन को बंद किया, तब तक अनिल की मौत हो चुकी थी

बरवानी बांध में आई दरारें, हो रहा पानी का रिसाव

भोपाल। प्रदेश के मंडला जिले के घुघरी जनपद पंचायत क्षेत्र के बरवानी गांव में बनाए गए बांध में दरारें आ गई। इसमें से पानी का रिसाव प्रारंभ हो गया है। इसकी जानकारी प्रशासन को लगते ही मौके पर एसडीईआरएफ की टीम व होमगार्ड की टीम रवाना हुई। प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। कलेक्टर हर्षिका सिंह भी अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस अमला भी तैनात है। बताया गया है कि पिछले दो तीन दिनों से हल्का रिसाव हो रहा था। इसके बाद इसमें दरारें भी आ गई। बांध का एक हिस्सा धंस रहा था। ग्रामवासियों ने जब इसमें दरार देखी। तो बांध फूटने की आशंका से इसकी जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। जानकारी मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया और एसडीईआरएफ की टीम हेमराज परस्ते के नेतृत्व में रवाना कर दी गई। पूरा दल बल के साथ गांव में प्रशासनिक अमला पहुंच गया है। बांध में भरे पानी को निकालने के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं। जेसीबी मशीन के माध्यम से बांध के हिस्से को काटकर पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि बांध को फूटने से बचाया जा सके। बताया गया है कि इस बांध के नीचे एक गांव है। जिससे ग्रामीण भी डरे हुए हैं। उधर बांध में दरार आने की जानकारी लगने के बाद कलेक्टर हर्षिका सिंह भी मौके पर पहुंच गई और उन्होंने मौका स्थल पर निरीक्षण करते हुए मौजूद अधिकारियों निर्देश दिए हैं।

खरगोन व धार के 13 श्रमिकों की महाराष्ट्र में मौत

भोपाल। महाराष्ट्र में एक दुर्घटना में प्रदेश के खरगोन व धार जिले के 13 श्रमिकों की मौत हो गई। यह मौतें महाराष्ट्र के बुलढाणा के सिंधखेड़ाजा में शुक्रवार को सरियों से भरा ट्रक पलटने से हुई है। सूचना पर प्रशासन और पुलिस ने मृतकों के स्वजन से संपर्क ?किया तथा उनके साथ जिले से प्रशानिक अधिकारियों की टीम भी भेजी गई है, जिससे स्वजन को वहां परेशानी न हो। ये श्रमिक सड़क निर्माण के कार्य के लिए वहां गए थे। खरगोन एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बुलढाणा एसपी से बात की गई है। हादसे में खरगोन जिले के महेश्वर क्षेत्र के आठ और धार जिले के पांच श्रमिकों की मौत हुई है। शवों का पोस्टमार्टम वहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पीछे से आ रही बस को साइड देने के समय ट्रक का एक टायर कीचड़ में फंस गया, जिससे ट्रक पलट गया। खरगोन कलेक्टर अनुग्रहा पी ने महेश्वर के नायब तहसीलदार अनिल मोरे को पुख्ता जानकारी और इससे संबंधित व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त कर बुलढाणा भेजा है। धार कलेक्टर आलोक कुमार सिंह ने धामनोद के नायब तहसीलदार व टीआइ को बुलढाणा भेजा है। इस हादसे में ?जिन लोगों की मौत हुई उनमें गणेश डावर, नारायण डावर, दीपक डावर, सुनील डावर निवासी मेलखेड़ी, जितेंद्र मकवणी मक्सी, लक्ष्मण डावर मोयदा, महेश कटारे बबलाई, देवराम ओसरे, कचिकुआ व धार जिले से गोविंद शिलोड भोंडल, करण मकवणे कांकलपुर, दिनेश गावड हनुमत्या, दिलीप कटारे व मिथुन माचारे की मौत हुई है। किसी को हादसे में मृत व्यक्ति के बारे में जानकारी देना या लेना है तो वे नायब तहसीलदार अनिल मोरे के मोबाइल नंबर 80853 65486 पर संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं।

चीन के जरिये बड़े पैमाने पर भारत पहुंच रही हैं अवैध सिगरेट

नई दिल्ली । देश में तंबाकू के खिलाफ बने सख्त 'कोटपा' कानून के बाद अवैध सिगरेट की तस्करी में बढ़ोत्तरी हुई है। सूत्रों के अनुसार, चीन और इंडोनेशिया से बड़े पैमाने पर सिगरेट तस्करी के जरिये भारत लाई जा रही हैं। ज्यादातर सिगरेट पूर्वोत्तर के राज्यों की सीमाओं के जरिये भारत पहुंच रही हैं। अनुमान है कि इससे सरकार को प्रतिवर्ष 15-20 हजार करोड़ के राजस्व का नुकसान हो रहा है। एक दिन पूर्व ही असम राइफल ने मिजोरम सीमा पर साढ़े छह करोड़ रुपये की अवैध सिगरेट जब्त की हैं जो म्यांमार के जरिये भारत लाई गई थी। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश के बाजार में एक चौथाई अवैध सिगरेट की बिक्री होती है। प्रतिवर्ष करीब 28 अरब सिगरेट अवैध सिगरेट भारतीय बाजार में खपाई जा रही है जिससे 15-20 हजार करोड़ रुपये के राजस्व की क्षति देश को होती है। भारत अवैध सिगरेटों की बिक्री का चौथा बड़ा बाजार बन चुका है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 सालों में भारत में अवैध सिगरेट की बिक्री दोगुनी हुई है।

बाबा महाकाल की नगरी में लगे 'पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, 4 लोगों पर राष्ट्रद्रोह के तहत मामला दर्ज

उज्जैन(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक)

मध्य प्रदेश के उज्जैन में बीती रात मोहर्रम के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने का मामला सामने आया है।पाकिस्तान के समर्थन में नारेबाजी के चलते वीडियो के आधार पर पुलिस ने 4 संदिग्धों पर एफआईआर दर्ज कर मामले को संज्ञान में लिया है।दरअसल पूरा मामला जीवाजीगंज और खाराकुआं थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।जहां गीता कॉलोनी के खजूर वाली मस्जिद मोहर्रम के मौके पर कुछ असामाजिक तत्वों ने पाकिस्तान जिंदा बाद के नारे लगाए।जिसका वीडियो वायरल हो गया।साथ ही पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई. मामले में पुलिस सीसीटीवी और वीडियो के आधार पर कार्रवाई कर रहे हैं।जानकारी के मुताबिक पुलिस ने 4 आरोपियों पर राष्ट्रद्रोह का मामला दर्ज कर लिया है।साथ ही 10 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. वहीं मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने पर सख्त हुए ष्टरू शिवराज,कहा- तालिबानी मानसिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

मध्य प्रदेश के उज्जैन में लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नाराजगी जाहिर की है।शिवराज सिंह ने कहा कि प्रदेश में तालिबानी मानसिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों पर सख्त एक्शन लिया है।तालिबानी मानसिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने कहा कि सख्त से सख्त कमद उठाए जाएंगे।जो तालिबानी मानसिकता का समर्थन करेया या राष्ट्र विरोधी गतिविधि करने का प्रयास करेगा,उसको कुचल दिया जाएगा।आपको बता दें कि बीती रात मुहर्रम के मौके पर जिले में कुछ असामाजिक तत्वों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए।दरअसल पूरा मामला जीवाजीगंज और खाराकुआं थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।जहां गीता कॉलोनी के खजूर वाली मस्जिद मोहर्रम के मौके पर कुछ असामाजिक तत्वों ने पाकिस्तान जिंदा बाद के नारे लगाए।जिसका वीडियो वायरल हो गया।साथ ही पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई।पुलिस ने 4 आरोपियों पर राष्ट्रद्रोह का मामला दर्ज कर लिया है।साथ ही 10 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एबी नेगेटिव ब्लड ग्रुप के लिए परेशान था मरीज विनोद मिश्रा अमित गोयल को फोन लगाया तो हो गई व्यवस्था

(भिंड से आए मरीज विनोद मिश्रा शिवपुरी में ही ले रहे हैं स्वास्थ्य लाभ)

दैनिक पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी । सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामया इन दो पंक्तियों का अनुसरण कर जय माई मानव सेवा समिति शिवपुरी एनजीओ जरूरतमंद मरीजों को सहज रक्त उपलब्ध कराने का परोपकारी कार्य कर रही है। इसी क्रम में जब बीते रोज समिति के अध्यक्ष अमित गोयल के पास भिंड से मरीज विनोद मिश्रा का फोन आया और उन्होंने अपनी परेशानी बताई कि उन्हें बवासीर है और लगातार ब्लड की आवश्यकता पड़ती रहती है, उन्हें अभी तत्काल एबी नेगेटिव ब्लड की आवश्यकता है उन्होंने यह भी बताया कि ग्वालियर तक प्रयास किया लेकिन इस ग्रुप का ब्लड ग्वालियर में भी नहीं मिला जिस पर जवाब में जय माई मानव सेवा समिति शिवपुरी एनजीओ के अध्यक्ष अमित गोयल ने सहज भाव से कहा कि आप अच्छे इलाज के लिए शिवपुरी ही आ जाएं, जिससे हम ब्लड दिलवाने के अलावा आपकी देखरेख भी कर सकेंगे, क्योंकि यदि एक के बाद और ब्लड की डिमांड डॉक्टर के द्वारा की गई तो फिर आपको परेशानी होगी, अंधे को क्या चाहिए दो आंख मरीज विनोद मिश्रा तत्काल शिवपुरी पहुंच गया और वहां उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया गया। जय माई मानव सेवा समिति शिवपुरी एनजीओ के सदस्य अंकित सोनी द्वारा इन्हें एबी नेगेटिव ब्लड उपलब्ध करा दिया गया। मरीज विनोद मिश्रा एवं उनके परिजनों ने जय माई मानव सेवा समिति का आभार व्यक्त किया है। समिति के अध्यक्ष अमित गोयल ने एक बार फिर उनसे आग्रह किया है कि यदि आपको दोबारा भी आवश्यकता पड़ती है तो आप बेझिझक फोन लगा कर अवगत करा सकते हैं हम आपकी मदद करने का पूरा प्रयास करेंगे।

सैयां क्षेत्र के कटी चौकी ओवरब्रिज के समीप खेत में मिला किसान का शव, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

संजय सिंह तोमर रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

सैंया क्षेत्र मे शुक्रवार को कटी चौकी ओवर ब्रिज के समीप गांव दखली का पुरा, सैंया निवासी 62 वर्षीय किसान का शव खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। बृद्ध के गले में रस्सी बंधी थी प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव दखली का पुरा, सैंया निवासी भगवन्त सिंह पुत्र नबाब सिंह गुरूवार को घर से भेंस लेकर चराने के लिए निकले थे।सायं आठ बजे तक भगवन्त सिंह व भेंसों का कोई पता नही चलने पर परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने आसपास के खेतों मे काफी खोजबीन की परन्तु भगवन्त सिंह का कोई सुरगा नही लग सका जिसके बाद परिजनो ने थाना सैंया पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने भगवन्त सिंह की काफी खोजबीन की परन्तु भगवन्त सिंह का कोई पता नही चल सका।

आजादी का अमृत महोत्सवः 75 के समापन के उपलक्ष में

एड्स जागरूकता के लिए भिंड जिला के एड्स नोडल अधिकारी डॉ देवेश शर्मा जी मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर, पुष्पांजली टुडे

हुए। इस कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य आरके सक्सेना जी एवं समस्त स्टाफ द्वारा ऑनलाइन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं की भी सहभागिता रही प्राचार्य आरके सक्सेना जी द्वारा डॉ देवेश शर्मा जी का ऑनलाइन मंच पर स्वागत एवं सत्कार किया गया व्याख्यान को आगे बढ़ाते हुए वरिष्ठ प्रोफेसर राधा कृष्ण जी द्वारा मंच संचालन किया गया । डॉ देवेश जी द्वारा एचआईवी के प्रथम चरण से लेकर अंतिम चरण तक के बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया साथ ही गर्भवती महिलाओं के समय-समय पर जांच एवं नवजात शिशुओं के बचाव के भी सुझाव दिए। एचआईवी होने पर ङ्घ.ह्र.ह्र. थेरेपी के द्वारा इसे काफी हद तक फैलने से रोका जा सकता है। छात्र छात्राओं के प्रश्नों का समाधान भी डॉक्टर देवेश जी द्वारा किया गया।

÷ हम सब का एक ही नारा एड्स मुक्त हो देश हमारा÷ के साथ इस कार्यशाला का समापन किया। कार्यशाला के अंतिम कड़ी में एनएसएस प्रभारी गिरिजा नरवरिया जी द्वारा मुख्य अतिथि का एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया गया।

सापुनी मंदिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु

पुष्पांजली टुडे

पाली-सापुनी। निकटवर्ती सापुनी गांव में मुख्य मार्ग पर स्थित केवल नाथ महाराज जीवित समाधि स्थल जीणोद्धार एवं मंदिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित हुआ। केवल दास महाराज मंदिर जीर्णोद्धार एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से किया गया। जिसमें ग्रामीणों व महिलाओं ने हिस्सा लेकर मंदिर में मत्था टेक कोरोना महामारी से मुक्ति की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में जय जयकारा गुजते रहे। शुक्रवार सुबह पंडित के सानिध्य में हवन यज्ञ में यजमानो ने आहुति दी।इसके बाद मंदिर परिसर में शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोचार के साथ केवल दास महाराज मंदिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम जय जयकारों से संपन्न हुआ। इससे पहले गुरुवार रात्रि को भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें राजस्थान के जाने-माने लोक कलाकार मदन पुरी गोस्वामी शिवपुरा। शैतान सिंह

दुदोड। रमेश राव एंड पार्टी ने एक से एक बढ़कर मधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति दी। कोराना काल के चलते जिला प्रशासन निर्देशों के अनुसार मंदिर कमेटी ने धार्मिक कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में महा प्रसादी का आयोजन किया गया। समस्त ग्रामवासी सापुनी नेतृत्व में महानुभावों का राजस्थानी रीति रिवाज एवं परंपरा के अनुसार पुष्पा हार माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया

इस दौरान आयोजित स्वागत कार्यक्रम में सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत पाली प्रधान मोहनी देवी पटेल। किसान मोर्चा भाजपा जिला प्रतिनिधि पुखराज पटेल। सोड़ावास सरपंच राधा देवी सिरवी। हेमावास भाजपा मंडल अध्यक्ष वोरा राम सिरवी। पाली भाजपा जिला उपाध्यक्ष नारायण कुमावत। पंचायत समिति सदस्य रामलाल सोनाई माझी समाजसेवी छोगाराम सीरवी सोड़ावास। आदि अतिथियों का किया स्वागत।

इस मौके पर मदन लाल मालवीय बिंजा राम देवासी भोपाजी। शिवा राम। मालवीय। बिंजा राम कुमावत। प्रभु राम सिरवी। देवाराम सिरवी दलाराम सीरवी सावल राम प्रजापत जोगाराम प्रजापत। चेनाराम प्रजापत हेमाराम कुमावत। टोयाराम सिरवी सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का राष्ट्रवाद नकली नहीं यथार्थ देशप्रेम, कांग्रेस हुई बुद्धिहीन : डॉ.रमेश दुबे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश दुबे ने कांग्रेस द्वारा राष्ट्रहित में समाज सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन की तुलना तालिबानियों से करना, जिनका सोशल मीडिया पर हुए वायरल वीडियो पर पलटवार करते हुए कहा कि ये उनकी विचारधारा है जो उन्हें ऐसे वक्तव्य देने के लिए प्रेरित करती है,जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का समर्पण हमेशा समाज सेवा के क्षेत्र में रहा है जोकि देश पर आने वाले संकटों में हमारा हर स्वयंसेवक लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करता है पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी ने भारत के मिसाइलमैन वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साहब को भारत का राष्ट्रपति बना कर अल्पसंख्यक समाज में एक नई मिसाल कायम की थी, फिर हम कैसे उनके विरोधी हो गए।

डॉ दुबे ने कहा कि कांग्रेस के नेतागणों ने अपने वीडियो में जिस प्रकार से संघ परिवार पर आरोप लगाए हैं वह सत्त्यता से परे होकर बेहद हास्यास्पद है, इसे उनका मनोविकार ही समझना चाहिए, संघ सारे समाज को लेकर राष्ट्रवाद के लिए संगठित होकर काम करता हैद्य

रमेश दुबे ने कहा कि संघ उन अलगाववादी शक्तियों के खिलाफ है जो कट्टरबादी तरीके से हिंसा का सहारा लेकर भारत वर्ष को तोड़ने का प्रयास करती रहती है ,हमारी संस्क्रति को चोट पहुचाती है ।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश दुबे ने कहा कि अफगानिस्तान में जिस प्रकार का माहौल देखने को मिल रहा है वहां के बहुसंख्यक समाज को प्रताड़ित भी किया जा रहा है, शायद वो तालिबानी उनके लिए फरिश्ते होंगे जो आरएसएस जैसे भारतप्रेमी संगठन उन्हें तालिबानी दिखाई दे रहा है। हमारा संगठन राष्ट्रीय हित में लोगों को जोड़ने के लिए काम करता है समाज को तोड़ने के लिए नहीं।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दुबे ने कहा कि वीडियो में दिख रहा यह बयान इस बात को दर्शाता है कि पूरे देश से कांग्रेश मुक्त हो चुकी है और राजनीतिक निकृष्टता दिखाकर वोट बटोरने के लिए इस प्रकार की भाषा बोलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर कीचड़ उछालने का काम किया जा रहा है ।

भाजपा नेता दुबे ने कहा कि ये लोग वही भाषा बोल रहे हैं जो पूर्व में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता ने अल्पसंख्यक समाज को खुश करने के लिए संघ पर आरोप लगाकर मुस्लिम समाज के वोट उन्हें मिल जायें, उन्होंने कहा कांग्रेस कभी अल्पसंख्यक समाज की भली नहीं हो सकती जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अल्पसंख्यक समाज को कई प्रकार की योजनाएं देकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है, संघ पर आरोप लगाने से पहले इसकी जानकारी ले लेते कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक ऐसी संस्था है जो कि हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान को आगे बढ़ा कर समाज हित में काम करती है ।

भाजपा नेता दुबे ने कहा इस प्रकार की संघ और तालिबान से तुलना नहीं करें क्योंकि अल्पसंख्यक समाज का भी कांग्रेस से मोहभंग हो चुका है यह देश सर्व धर्मो का सम्मान करता है ओर करता रहेगा पर फिरका परस्ती ताकतों को बर्दाश्त नही करेगा। कश्मीर भारत का अंग है और रहेगी इसे कोई हिंदुस्तान की जमीन से हिला नहीं सकता।

रमेश दुबे ने कोंग्रेसियों को भारतीय जनसंघ की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा की सन 1975 में कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने समाजवादी नेताओं को जेल के सींखचों में डाल दिया था, उसमें भिंड के युवा क्रांतिकारी मुस्लिम समाज के हसरत वारसी कांग्रेस की गलत नीतियों का विरोध करते हुए उन्हें मीसा में बंद कर दिया था फिर संघ अल्पसंख्यक समाज का कैसे विरोधी हो गया 7 उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस तरह के राष्ट्र विरोधी बयान देकर समाज में घृणा फैलाने का काम करती चली आ रही है उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से माफी मांगना चाहिए।

वन-टू-वन

धर्म गुरू माधोसिंह दीवान ने सिर्वी समाज के युवाओं से किया आव्हान

पुष्पाजंली टुडे

मनावर-- - सिर्वी समाज के धर्मगुरु श्री दीवान माधवसिंह राठौर के मध्यप्रदेष में पांच दिवसीय दौरे के समापन में उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि खेती और नौकरी पर निर्भर रहने के बजाए स्वयं आत्मनिर्भर बनकर अपना रोजगार स्थापित करे। दीवान साहब ने इस संबंध में दक्षिण भारत में गए सिर्वी समाज के लोगों का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने अपना स्वयं का व्यवसाय कर समाज को उन्नतिषिल होने का संदेष दिया। वही समाजजनों को उन्होंने कहा कि प्रतिदिन श्रीआई माताजी की घर या मंदिर में परिवार सहित आरती व पूजन जरूर करे।

भाजपा ने सशक्त मंडल के विधानसभा प्रभारी बनाये

पुष्पांजली टुडे

पाली ।भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के निर्देशानुसार व जोधपुर संगठन प्रभारी भजनलाल शर्मा ने पाली जिले में सशक्त मंडल, सक्रिय बूथ व पन्ना प्रमुख को लेकर जिले के प्रत्येक विधानसभा वार प्रवासी नियुक्त कर विधानसभा के हर एक मंडल में पहुँचकर सशक्त मण्डल, सक्रिय बूथ व पन्ना प्रमुख को मजबूती प्रदान करने का कार्य करेंगे । जिला मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल व जिला प्रवक्ता त्रिलोकराम चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि बाली विधानसभा के लिए वीरेन्द्रसिंह चौहान, जैतारण विधानसभा के लिए वीरेंद्र गोदारा, सोजत विधानसभा के लिए जगदीश देवासी, पाली विधानसभा के लिए शिवकुमार सोनी, मारवाड़ जंक्शन विधानसभा के लिए कमलेश दवे, सुमेरपुर विधानसभा के लिए सुरेश जिंदल को विधानसभा का प्रवासी नियुक्त किया गया।

भुजरिया विसर्जन प्रतिबंध करने के लिए नदी में बैरिकेडिंग कराने हेतु एसडीओपी ने लिखा सिंचाई विभाग को पत्र

गोहद -रक्षा बंधन के दूसरे दिन बैसली जलाशय पर भुजरियों का मेला लगाया जाता है जहां सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पुरुष एकत्रित होते हैं और डेम के बाहर नदी में भुजरिया विसर्जित करते हैं अभी हाल ही में सिंध नदी एवं चंबल नदी का विध्वंस रूप देख हुए हानि से सतर्क होते हुए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नरेंद्र सोलंकी ने सिंचाई विभाग को पत्र लिखकर अवगत कराया कि जिला भिण्ड मे भुजरिया पर्व अत्यंत उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। जिसमे नगरवासी तथा दूरदराज के ग्रामो से पधारे हुये आमजन भुजरियों को जुलूश के माध्यम से पानी में विसर्जित करते हैं। गोहद तहसील मे भी उक्त पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक जिला भिण्ड से वितन्तु आदेश क्रमांक / पुअ / भिण्ड जिविशा/ 555/21 दिनांक 21.08.21 मे यह लेख किया है कि भुजरिया के त्यौहार घर पर ही मनाने की समझाईश दी जावे। उक्त निर्देश के अनुपालना हेतु यह आवश्यक है कि वेसली जलाशय के नीचे लोक निर्माण विभाग के माध्यम से मजबूत बैरिकेडिंग करवायी जाये जिससे कि व्यक्तिगत या समूह के रूप मे भुजरिया का विसर्जन न होने पाये।

लायक बने जनता के लायक, मप्र व उप्र में छोड़ी अमिट छाप

जीवन की अंतिम सांस तक मानव सेवा ही लक्ष्य : लायक सिंह कुशवाह

समाजसेवी ने किया पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

लहार(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक)

लायक बने जनता के लायक,मप्र व उप्र में छोड़ी अमिट छाप।यह बात मप्र के भिण्ड जिले की लहार तहसील के जमुहा गाँव मे जन्मे लायक सिंह कुशवाह के लिए उनके गृहग्राम जमुहा के लोगो ने कही।यहां बताना मुनासिब होगा कि मप्र की माटी पर जन्मे लायक सिंह कुशवाह हाल ही में लगातार मप्र में आये बाढ़ के सुनामी पीड़ितों की मदद करने में अगर बढ़कर आये हैं।उन्होंने मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश के ग्रामो का दौरा किया और उन लोगो तक राहत सामग्री पहुंचाई और हर यथासम्भव मदद का भी पीड़ितों को भरोसा दिलाया।वहीं लायक सिंह कुशवाह लगातार 15 वर्ष से खुद के निजी खर्चे से दीन दुखियों,गरीब,असहाय व जरूरतमन्दो की सहायता करते आ रहे है।जिसके लिए लहार में राठौर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उन्हें 1 किलो का चांदी का मुकुट पहनाकर भी उनका सम्मान किया गया था परन्तु श्री कुशवाह ने उसे सम्मान वापस लौटा दिया और कहा कि यह मेरी धरोहर के तौर पर आपको लौटा रहा हूँ।वहीं अब बात करें पब्लिक व्यू की तो आम जन को उस बात का पूरा भरोसा है कि लायक सिंह ही वह शख्स हूं जो स्वार्थ और राजनीति से ऊपर उठकर उनकी तक़दीर बदल सकते हैं।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर श्री कुशवाह ने किया कलमकारो का सम्मान

लगातार समाजसेवा में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले लायक सिंह कुशवाह ने गुरुवार को अपने निज निवास जमुहा तहसील लहार में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर देश के चौथे स्तम्भ पत्रकारो का सम्मान किया।इस दौरान उन्होंने शॉल व मिठाई देकर पत्रकारो का सम्मान किया।श्री कुशवाह ने सम्मान करने के उपरांत समस्त मौजूद पत्रकारो को रक्षाबंधन की बधाई दी।तदोपरांत उन्होंने अपने उदभोदन में कहा कि आज समाज मे पत्रकारो की बहुत ही अहभ भूमिका मानी जाती है।पत्रकारो लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है इसलिए आप सभी अपनी कलम सकारात्मक रूप से चलाएं।उन्होंने कहा कि पत्रकार की पत्रकारिता लोगों की सोच को भी परिवर्तित करती है।उन्होंने कहा कि कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का काम करती है।इसके कारण इसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।उन्होंने कहा कि मीडिया समाज को अनेक प्रकार से नेतृत्व प्रदान करता है।इससे समाज की विचारधारा प्रभावित होती है।मीडिया को प्रेरक की भूमिका में भी उपस्थित होना चाहिये जिससे समाज एवं सरकारों को प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त हो।मीडिया समाज के विभिन्न वर्गों के हितों का रक्षक भी होता है।वह समाज की नीति,परंपराओं,मान्यताओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति के प्रहरी के रूप में भी भूमिका निभाता है।पूरे विश्व में घटित विभिन्न घटनाओं की जानकारी समाज के विभिन्न वर्गों को मीडिया के माध्यम से ही मिलती है।अत~ उसे सूचनाएँ निष्पक्ष रूप से सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करनी चाहिये।लोकतंत्र में पत्रकार और पत्रकारिता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है,पत्रकार और पत्रकारिता लोकतंत्र से जुड़ी विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका को निरंकुश होने से बचाती है पत्रकार और पत्रकारिता समाज और सरकार के बीच एक ऐसा दोहरा आइना माना जाता है जिसमें सरकार और समाज दोनों अपना अपना स्वरूप देखकर उसमें सुधार कर सकते

हैं।पत्रकार और पत्रकारिता दोनों निंदक और प्रसंशक दोनों भूमिकाएं एक साथ निभाकर समाज और सरकार दोनों को सजग एवं जागरूक करती है।

श्री कुशवाह ने नेताओ ओर साधा निशाना

पत्रकारो के सम्मान समारोह के दौरान समाजसेवी लायक सिंह कुशवाह ने बाढ़ पीड़ितों का दर्द देखकर नेताओ पर निशाना साधा।इस दौरान उन्होंने कहा कि बाढ़ के हालात पैदा होने के बाद अब तक कोई भी राजनीतिक व्यक्ति ने उन पीड़ितों तक कोई मदद नही पहुंचाई जो कि धिक्कार की बात है।उन्होंने कहा कि जनता ने अपने प्रतिनिधि को इसलिए चुना की वह उनकी मुश्किल परिस्तिथियों में उनके साथ खड़े रहे और उनकी मदद करें पर यहां तो नेताओ के खजाने भरे पड़े हैं पर पीड़ितों की मदद नही की जा रही।इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए शासन प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना भी की है।उन्होंने कहा कि जब तक मेरे शरीर मे जान है मैं समाजसेवा करता रहूँगा और हमेसा दिन हो या रात गरीब,असहाय,दीन दुखियों की सेवा के लिए उनकी एक आवाज पर उनकी मदद के लिए कमर कसकर तैयार रहूँगा।

लायक सिंह कुशवाह द्वारा अब तक किये गए कुछ समाजसेवा कार्य की झलकियां

यहां बता दें की वैसे तो लायक सिंह कुशवाह लगातार समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बना चुके हैं।और अब तक उनके द्वारा लहार में राठौर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में उन्होंने 30 जोड़ो को टेलीविजन सेट भेंट किये थे।व मन्दिर में पानी की अव्यवस्था को देखते हुए उन्होंने मन्दिर पर हैंडपंप के लिए सम्मेलन में 11 हजार रुपये दान किये थे।सलैया में कुशवाह समाज के सम्मलेन में उन्होंने आयोजन समिति को 5 हजार रुपये प्रदान किये थे साथ ही नवविवाहित जोड़ो को निशुल्क सिलाई मशीन उपहार स्वरुप भेंट की थी।इसी क्रम में समाजसेवी लायक सिंह कुशवाह ने 40 गाँवो में स्वयं के खर्चे पर हैंडपंप खनन कराए।उन्होंने ग्वालियर चम्बल सम्भाग के लगभग सभी जिलों में 30 हजार से अधिक गरीब कन्याओं के विवाह में सिलाई मशीन,टीवी से लेकर अन्य सामग्री भी उन्हें उपहार स्वरूप भेंट की।श्री कुशवाह ने लहार में असहाय व गरीब लोगों के इलाज को रफ्तार देने के लिए एक एम्बुलेंस भी दान की थी।सरस्वती शिशु मंदिर में बच्चों की कम्प्यूटर शिक्षा के लिए उन्होंने 51 हजार रुपये की सहयोग राशि समिति को प्रदान किये।इसी क्रम में श्री कुशवाह ने सरस्वती शिशु मंदिर दबोह में पानी के लिए 4100 रु.,सरस्वती शिशु मंदिर असवार में विकास कार्य के लिए 31 हजार और सरस्वती शिशु मंदिर दतिया में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए 11 हजार रुपये का सहयोग देकर उन्होंने सेवा की नई परिभाषा विकसित की है।उन्होंने मिहोना में हुए सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में गरीब कन्याओं को सिलाई मशीन व 5100-5100 रु की नगदी भेंट कर उनके हाथ पीले किये।श्री कुशवाह ने लहार के आधा दर्जन से अधिक गाँवो में पेयजल संकट से निपटने के लिए स्वयं के खर्चे पर कई हैंडपंपो का खनन कराकर व्याकुल ग्रामीणों की प्यास बुझाने का नेक कार्य किया है।

पत्रकारों का हुआ सम्मान

समाजसेवी लायक सिंह कुशवाहा द्वारा आपदा राहत में पत्रकारों के सराहनीय योगदान के लिये सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर लहार,मिहोना व दबोह नगर के पत्रकार बंधु बढ़ी संख्या में उपस्थित रहे।जिसमे लहार,मिहोना व दबोह के समस्त इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व प्रिंट मीडियाकर्मियों का सम्मान श्री कुशवाह के द्वारा किया गया।

सीरवी सामाजिक संस्थानों को 27 हजार रूपए भेंट कर जन्मदिन मनाया

पुष्पाजंली टुडे , नारायणलाल सैणचा

जोधपुर-- तरुण मुलेवा पुत्र हनुमान मुलेवा अध्यक्ष ,सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति, बिलाड़ा द्वारा कल मुलेवा निवास पर आयोजित एक सादे समारोह में अपने जन्मदिवस के अवसर पर आपके पिता द्वारा सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति,बिलाड़ा को 11,000? एवम श्री आईजी सेवा संस्थान, जोधपुर को 11,000? तथा भरत सेवा संस्थान एम्बुलेंस प्रयोजन हेतु 5100? का पुण्यार्थ आर्थिक सहयोग प्रदान किया । मुलेवा को समस्त नवयुवक मंडल परगना परिवार ओर ग्रुप सदस्यो की तरफ से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं ओर साधुवाद ज्ञापित किया गया! इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष रूपसिंह परिहार, नगरपालिका, उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, डेयरी चैयरमेन धन्नाराम हामबड़, ट्रोमा सेंटर समिति अध्यक्ष मिश्रीलाल हामबड़, जॉइंट कमिश्नर, जीएस टी मेघाराम सेणचा, पूर्व नवयुवक मंडल अध्यक्ष देवीसिंह भींवराज, उपाध्यक्ष तुलछाराम परिहार, बिलाड़ा व्यापार संघ अध्यक्ष महेंद्र राठौड़, डॉ धर्मेंद्र सीरवी, डॉ दिनेश सोलंकी, भींयाराम बर्फा, वृक्षमित्र गोविंदराम काग, बाबूलाल पटेल, त्रिलोक नैनीवाल, पहल फाउंडेशन संयोजक कमल चांदावत, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कानाराम पटेल, गजाराम परिहार, दुर्गाराम सीरवी, नरेश पँवार, रमेश सीरवी, देवेंद्र राठौड़, खेमसिंह सीरवी, चिमनप्रकाश पँवार, तुलछाराम काग, महामंत्री माधवसिंह राठौड़ ,चंद्रसिंह राठौड़ उपस्थित रहे! टीम की तरफ से मुलेवा का सम्मान कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया !

सेंट्रल जेल में मनाया गया विश्व मच्छर दिवस

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

(तेज बुख़ार, सर दर्द जी मिचलाना आदि लक्षण दिखे तो तुरन्त चिकित्सक का परामर्श लें - डीएमओ)

भोपाल । विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर आज केंद्रीय जेल भोपाल में मच्छर दिवस का आयोजन जेल अधीक्षक दिनेश नरगावे के सहयोग से मलेरिया विभाग व फैमिली हेल्थ इंडिया एम्बेड परियोजना ने संयुक्त रूप से किया।

जेल अधीक्षक दिनेश नरगावे ने बैठक के दौरान कहा कि मच्छरो से बचाव के लिए मलेरिया विभाग का सहयोग लिया जाना बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे यहां प्रतिदिन बंदी आते है। मच्छरो के संक्रमण को रोकने लिए नियमित मलेरिया की जांच, उपचार व बचाव बहुत महत्वपूर्ण है।

जिला मलेरिया अधिकारी अखिलेश दुबे ने बताया कि विश्व मच्छर दिवस प्रतिवर्ष 20 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक, सर रोनाल्ड रॉस की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने वर्ष 1897 में यह खोज की थी, कि 'मनुष्य में मलेरिया के संचरण के लिए मादा मच्छर उत्तरदायी है'। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन और ट्रॉपिकल मेडिसिन ने विश्व मच्छर दिवस मनाने की शुरूआत वर्ष 1930 में की थी आगे मच्छर जनित बीमारियों के बारे में बताते हुए कहा कि तेज बुख़ार, सर दर्द जी मिचलाना आदि लक्षण दिखे तो तुरन्त चिकित्सक का परामर्श लें ।

जिला समन्वयक फैमिली हेल्थ इंडिया एम्बेड परियोजना डॉ. संतोष भार्गव ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी लोगो को मच्छर जनित स्थलों, मच्छर का व्यवहार जैसे काटने का समय एवं अंडे से मच्छर बनने की क्या प्रक्रिया है के बारे में विस्तार से बताया साथ ही कहा की डेंगू का मच्छर दिन में काटता है एवं मलेरिया का मच्छर सायं ढलने से काटना शुरू कर देता है। जेल मेडिकल आफिसर इंचार्ज डॉ प्रमेन्द्र शर्मा ने बताया कि मच्छर से बचने के लिए जानकारी होना जरूरी है साथ ही मच्छर प्रजनन स्थलों में साफ सफाई करना अतिआवश्यक है।

जिला सलाहकार वेक्टर बोर्न श्रीमती रुचि सिलाकारी ने कहा कि मादा मच्छरों के लिए केवल रक्त आहार और जानवरों को काटने की आवश्यकता होती है, जबकि पुरुष मच्छर काटते नहीं है, लेकिन वे फूलों के मकरंद या अन्य उपयुक्त शर्करा स्रोत को खाते हैं, सिर्फ मादा मच्छर के काटने से ही मच्छर जनित बीमारियां होती है।

मलेरिया निरीक्षक श्रीमती उर्मिला सिंह के नेतृत्व में टीम के द्वारा कुल 105 लोगो की मलेरिया की जांच की गई एवं कैंपस में दवा का छिड़काव किया गया साथ ही जनजागरूकता हेतु पैम्फलेट्स बांटे। मच्छर हमेशा इकट्ठे पानी में पनपते हैं जो कि किसी ड्रम, बर्तन, फ्लावर पॉट, पेट-डिशेस या पुराने टायर में जमा होता है।

गैर जरुरी जमे हुए पानी को तुरंत हटा दें।जमे हुए पानी के अज्ञात स्रोत की जाँच करें। बंद नाली या गटर, कुँए, मैनहोल्स और सेप्टिक टैंक्स, इत्यादि जमे हुए पानी के क्षेत्र हो सकते हैं।अपने घर के बाहर या आसपास के इलाकों से पानी रखे हुए ड्रम या बर्तनों को खाली कर दें। फ्लावर-पॉट की तश्तरी, फौवारे, पेट-डिशेस, इत्यादि के पानी को सप्ताह में कम से कम एक बार जरुर बदले।

पांच मासूमों के सिर से कोरोना की बजह से उठा मां बाप का साया

(मासूमों का प्रशासन नही बना सहारा तो विधायक ने बढ़ाये मदद के लिए हाथ)

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

लहार/भिण्ड। लहार क्षेत्र के दबोह थाना अंतर्गत ग्राम आमाहा में पूर्व मंत्री व लहार विधायक डॉ गोविंदसिंह द्वारा दौरा करते समय बच्चों पर नजर पड़ी तो उन्होंने अनायास ही पूछ लिया आप कहा रहते है, किस स्कूल में पड़ते है तो सात वर्षीय अनीता वाल्मीक अपने छः माह के भाई को गोद मे लिए दूसरे भाई बहनों की उंगली थामे अपनी पीड़ा सुनाने लगी उसने विधायक जी को बताया कि मई माह में कोरोना काल मे उंसके मां बाप का देहांत हो गया था वो कोरोना की बीमारी से ग्रषित थे मां बाप का साया उठने के बाद हम पांच भाई बहन अनाथ हो गए है तो विधायक जी ने पूछा तो खाने पीने की व्यवस्था कैसे होती है तो बच्ची अनिता ने बताया कि गॉव के लोगों से मांग कर खा लेते है, इस बात पर डॉ गोविंद सिंह ने भिंड कलेक्टर को तत्काल फ़ोन लगाया और बच्ची की समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा इसके बाद उन्होंने अपनी जेब से दो हजार रुपये निकालकर इसके बीस हजार रुपये बच्ची के खाते में डालने एवं दस हजार रुपये सरपंच से तथा दस हजार रुपये सचिव से देने को कहा यही प्रतिदिन बच्चों को दूध और खाने के लिए गॉव के कुछ लोगों को जिम्मेदारी दी तथा कहा कि इसका भुगतान स्वम करने की बात कही ।इसकेबाद उन्होंने बच्ची से कहा कि कुछ दिनों बाद आपके मकान की मरम्मत करवा कर आपके रहने की व्यवस्था की जायेगी । सोचने की बात यह है कि प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह कोरोना में मरने बालों को एक एक लाख देने की घोषणा की थी यह घोषणा कहा अटकी रह गई। यह परिवार वाल्मीक समाज से है निश्चित गरीबी रेखा के नीचे होगा तथा बीपीएल धारक भी होगा फिर अनाथ बच्चों को मिलने बाला मुफ्त का राशन आज तक क्यों नही मिला क्यों इन्हें बेसहारा छोड़ दिया गया।

जनप्रतिनिधियों के झूठे वादों से आमजन को भारी परेशानी

गांव का दर्द विकास के दावों की पोल खोलती खस्ताहाल सड़कें

नेनाराम सीरवी ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे

पाली। सरकार और प्रशासनिक अधिकारी विकास के भले ही बड़े बड़े दावे करें लेकिन गांव में रहने वाले ग्रामीण आज भी कई मूलभूत सुविधाओं से तरस रहे हैं। इनमें से एक हैं सुगम यातायात का मार्ग। लेकिन विकास के दावों से परे यहां के लोग खस्ताहाल मार्ग से होकर गुजरने को मजबूर हैं। पाली ब्लॉक के अंतर्गत गिराडडा बाणियाबास बोमाडडा कुरना साकडडा भागेसर सांपा डरी मनिहारी गुरडाई

गिराडडा। ग्राम पंचायत मुख्यालय से पाली रूपावास मुख्य चौराहे तक मात्र डेढ़ किलोमीटर सड़क मार्ग ।आकडावास पुरोहितान से बाणियाबास लगभग 6 किलोमीटर। ।बोमाडडा से राष्ट्रीय राजमार्ग एवं इंदिरा नगर खेतावास चौराया लगभग 4 किलोमीटर। कुरना से साली साकडडा लगभग 10 किलोमीटर। मनिहारी से डरी तक लगभग 10 किलोमीटर। भांगेसर से सेवानिया लगभग 4 किलोमीटर। ।गुरडाई से गिराडडा लगभग 4 किलोमीटर। यह सब क्षतिग्रस्त डामरीकरण और ग्रेवल सड़क करीबन लंबे समय से खस्ताहाल हैं।डामरीकरण सड़क पर कंक्रीट निकलकर बिखरी हुई है तो जगह-जगह पर गड्ढे हो गए वहीं सड़क के बीच पानी निकालने का नाला भी क्षति ग्रस्त हो गया है। सभी क्षतिग्रस्त सड़कों से कभी कोई अनहोनी होने का भी डर लगा रहता है।जिम्मेदारों की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिए जाने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन ना तो जनप्रतिनिधि और ना ही कोई अधिकारी इसका नवीनीकरण को लेकर कोई जहमत उठा रहा है। राजस्थान के प्रत्येक चुनाव में जनप्रतिनिधियों द्वारा चुनावी सभाओं के दौरान बड़ी-बड़ी घोषणाओं के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं से झूठे वादे करके मत लेते हैं।जिले के प्रत्येक चुनाव में इन संपूर्ण सड़कों की समस्याओं को लेकर बड़े-बड़े चुनावी सभाओं में ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया गया। लेकिन इन क्षति ग्रस्त सड़कों का कार्य मात्र चुनावी माहौल तक ही सीमित रहता है।पाली ब्लॉक के इन संपूर्ण सड़कों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक

(1) बाणियाबास ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जाने के लिए आंकड़ा वास पुरोहितान के ग्रामीणों को बारिश के समय पर 1 सप्ताह तक सोचने को मजबूर होते हैं तब जाकर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पहुंचते हैं।

(2) कुरना से भावनगर डामरीकरण सड़क सबसे छतिग्रस्त इसके मुकाबले जिले में और कोई सड़क क्षतिग्रस्त नहीं हैं।

(3) डरी से मनिहारी डामरीकरण सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त ग्रामीणों को आपातकालीन स्थिति के लिए इस मार्ग से गुजरने के लिए मौत को बुलावा लेना बराबर हैं।

(4) भांगेसर से सेवानिया ग्रेवल सड़क क्षतिग्रस्त बारिश के मौसम में इधर उधर जाने के लिए दूर-दूर से भटक कर जाना पड़ता है

(5)बोमाडडा से राष्ट्रीय राजमार्ग खेतावास चौराया ग्रेवल सड़क सबसे खराब हालात कई वर्षों से द्वइस सड़क पर जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने नहीं दिया ध्यान कंक्रीट फैलने से यहां से गुजरने वाले संपूर्ण वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही हैं

(6) गुरडाई से गिराडडा ग्रेवल सड़क क्षतिग्रस्त ग्रामीणों को प्रतिवर्ष बारिश के समय सबसे ज्यादा परेशानी हो रही हैं।

वन-टू-वन

संक्रमण की रोकथाम के लिये टीकाकरण ही सबसे सशक्त माध्यम

ग्वालियर। कोविड19 के संक्रमण से बचने का सबसे सशक्त उपाय टीकाकरण है। टीकाकरण सभी लोग कराएं, इसके लिए जन जागरूकता आवश्यक है। समाज का हर व्यक्ति शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए अपना योगदान दे। क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने शनिवार को जिला अस्पताल मुरार एवं सिविल अस्पताल हजीरा पहुँचकर टीकाकरण कार्य का अवलोकन किया। सांसद श्री शेजवलकर ने टीकाकरण कार्य के अवलोकन के साथ-साथ कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर से बचने के लिये जिले के अस्पतालों में लगाए जा रहे ऑक्सीजन प्लांटों के निर्माण का कार्य भी देखा। उन्होंने कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी करने को भी कहा। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, सिविल सर्जन डॉ. व्ही के शर्मा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा भी उपस्थित थे। सांसद श्री शेजवलकर ने जिला अस्पताल मुरार पहुँचकर टीकाकरण कार्य कर रहे चिकित्सकों और स्टाफ से चर्चा की, इसके साथ ही टीका लगवाने आए लोगों से भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि जो लोग टीका लगवाने आए हैं वे स्वयं भी लगवाएं और अपने जान-पहचान, परिवार जनों को भी टीकाकरण के लिये प्रेरित करें। श्री शेजवलकर ने इसके पश्चात अस्पताल परिसर में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट को भी देखा। ऑक्सीजन प्लांट और ऑक्सीजन लाईन के साथ ही वार्ड निर्माण के लिये किए जा रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह कार्य 30 अगस्त तक पूरा कराया जाए। क्षेत्रीय सांसद श्री शेजवलकर ने इसके पश्चात सिविल अस्पताल हजीरा पहुँचकर टीकाकरण कार्य को देखा तथा परिसर में ऑक्सीजन प्लांट और ऑक्सीजन सेंट्रल लाईन के कार्य का भी अवलोकन किया। उन्होंने संस्था के प्रमुख डॉ. प्रशांत नायक को दोनों ही कार्य तेजी के साथ कराने के निर्देश दिए।

अधेड़ की करंट लगने से मौत

ग्वालियर। ग्राम मिलघन में एक अधेड़ अपने सिर पर धान की पौध रखकर जा रहा था, तभी पौध बिजली के झूलते तार से टकरा गई और उसे करंट लग गया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कल्यान चौहान 50) पुत्र धारा सिंह चौहान खेतों में धान रौपने का कार्य कर रहा था। वह धान की पौध को अपने सिर पर रखकर दूसरे खेत में जा रहा था, तभी सिर रखी पौध खेत के ऊपर से निकल रही बिजली की झूलती लाइन से टकरा गई। जिससे उसे करंट लग गया और वहीं गिर पड़ा। परिजन और ग्रामीण उसे लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

भारतीय डाक विभाग की डाक टिकट प्रदर्शनी 4 से

ग्वालियर। भारतीय डाक विभाग की ओर से देशभर में डाक टिकट पर आधारित प्रदर्शनी लगाएगा। ग्वालियर में यह प्रदर्शनी कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर ग्वालियर संभाग द्वारा लगाई जाएगी। दो दिवसीय जिलास्तरीय प्रदर्शनी चेंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में 4 सितंबर से लगाई जाएगी। इसकी थीम इंडिपेंडेंस 2.0 रखी गई है। इस प्रदर्शनी में शहर के डाक टिकट संग्रहकर्ता दुर्लभ और विशिष्ट डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाएंगे।

महिला पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए पंजीयन 24 तक

ग्वालियर। शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कक्षा 10वीं और 12वीं के अंकों के आधार पर सीधे प्रवेश देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए प्रथम चरण में 24 अगस्त तक पंजीयन कराए जा सकते हैं। प्राचार्य डॉ.ए.सिद्दीकी ने बताया कि पीपीटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कक्षा 10वीं और नॉन पीपीटी पाठ्यक्रमों के लिए 12वीं पास होना आवश्यक है। पीपीटी एवं नॉन-पीपीटी कोर्स में प्रवेश के लिए 60 सीटें उपलब्ध हैं। पंजीयन 24 अगस्त तक कराए जा सकते हैं। पंजीयन में सुधार 25 से 26 अगस्त तक और च्वॉइस फिलिंग एक सितंबर तक की जा सकती है।

बाढ़ प्रभावितों को शासन के प्रावधान अनुसार सहायता तत्परता से उपलब्ध कराएँ

ग्वालियर। अति वर्षा के कारण ग्वालियर-चंबल संभाग के जिन जिलों में शहर तथा ग्राम प्रभावित हुए हैं उनमें हर प्रभावित को शासन के प्रावधानों के अनुरूप सहायता उपलब्ध कराने का कार्य तेजी के साथ किया जाए। कोई भी प्रभावित बिना सहायता के नहीं रहना चाहिए। जिनके मकान पूर्णतः नष्ट हुए हैं उन्हें शासन के प्रावधान अनुसार तात्कालिक रूप से 6 हजार रूपए तथा उसके पश्चात 95 हजार 100 रूपए की सहायता उपलब्ध कराने का कार्य भी शीघ्र-अतिशीघ्र किया जाए। अति वर्षा से प्रभावित ग्रामों में शासन के प्रावधान अनुसार दी जा रही सहायता के संबंध में संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से आयोजित कार्यशाला में यह बात कही गई। कार्यशाला में भोपाल से आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री निकुंज श्रीवास्तव, ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत एवं राहत और पुनर्वास कार्य से जुड़े हुए विभागीय अधिकारी शामिल हुए। भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त आयुक्त श्री ज्ञानेश्वर पाटिल ने कार्यशाला में बाढ़ प्रभावितों को दी जाने वाली विभिन्न सहायताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

ग्वालियर किले पर होगी ऐश्वर्या राय की फिल्म की शूटिंग

ग्वालियर। ग्वालियर किले पर होगी ऐश्वर्या राय की फिल्म की शूटिंग, घोड़े की टापों की आवाज से गूंजने लगा शहर ग्वालियर शहर की सड़कों पर एक से एक सुन्दर और खूबसूरत घोड़ों की फौज निकलते देख ग्वालियर के लोग चौक गये। एक बार को लगा जैसे फिर से राजा महाराजा के युग में पहुंच गये हों, फिर ऐसा लगा कि पुलिस या बीएसएफ का कोई दल प्रैक्टिस पर निकला होगा, लेकिन कुछ देर के बाद पता चला कि यह कोई पुलिस के घोड़े नहीं बल्कि फिल्म की शूटिंग के लिये साउथ इंडिया से ग्वालियर के लिये आये हैं। मद्रास टॉकीज प्रॉडक्शन की फिल्मी पुन्नियन सेलेवन की शूटिंग ग्वालियर की शान किला पर होनी है। यह शूटिंग 22 अगस्त से होनी है। इसमें मुख्य किरदार एश्वर्याराय बच्चन, चिय्याम विक्रम, विजय सेतुपति निभा रहे हैं। ग्वालियर की सड़कों पर 18 खूबसूरत घोड़ों की फौज को निकलता देख शहर के लोग चौंक गए। घोड़ों के ऊपर बैठे घुड़सवारों को देखकर इतना तो समझ आ गया ये सेना या BSF की पलटन नहीं है। लोगों के साथ पुलिस के लिए भी बड़ी संख्या में घोड़े आश्चर्य का विषय थे। जानकारी हासिल करने के बाद पता चला कि घोड़ों की ये फौज ग्वालियर में एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में आई है। 22 अगस्त से दक्षिण भारत की एक तमिल मूवी पुन्नियिन सेलेवन की की शूटिंग शुरू होनी है। इस फिल्म में घोड़ों की भी अहम भूमिका है। ग्वालियर में किले और जीवाजी विश्व विद्यालय परिसर में फिल्म की शूटिंग होनी है इसीलिए दक्षिण भारत से ये घोड़े लाये गए हैं।

पुलिस ने पूछा यह घोड़े कहां से ला रहे हो-फिल्म की शूटिंग के लिये लाये हैं

ऐसा बताया जा रहा है कि जब पांच मिनी ट्रक में यह 18 घोड़े भरकर लाये जा रहे थे तो ग्वालियर के विक्की फैक्ट्री चौराहा से प्रवेश करते समय झांसी रोड़ थाना पुलिस ने उन्हें रोक लिया था। शक होने पर सीनियर अधिकारियों को बताया गया लेकिन जब पता चला कि फिल्म की शूटिंग के लिये घोड़े लाये गये हैं और लीगल डॉक्यूमेंट देखे तो उन्हें शहर में आने दिया गया। फिल्म की यूनिट के लोग गाड़ियों को लेकर मैदान में आ गये। सुबह जब घोड़ों को मिनी ट्रक से बाहर निकाला गया तो वह सबके के लिये कौतूहल का विषय बन गये। घुड़सवार घोंड़ों को लेकर शहर की सड़कों पर निकल गये।

अफसर को हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश

ग्वालियर। ग्वालियर में राजस्व विभाग के अफसर को हनी ट्रैप के जरिए ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। यहां आरोपी महिला ने पहले तो अफसर को वीडियो कॉल किया। इसके बाद खुद के कपड़े उतारकर कॉल रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यही वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 50 हजार रुपए की मांग की गई। इस पर अफसर ने रुपए देने से इनकार कर दिया। इस घटना का जिक्र रात को ही अफसर ने अपने फेसबुक पर किया है।

सहायक भू-अभिलेख अधिकारी (एएसएलआर) रविनंदन तिवारी ने अपने फेसबुक वॉल पर शुक्रवार रात करीब 11.40 बजे एक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में रविनंदन तिवारी ने

लिखा है कि शुक्रवार रात 10.45 बजे उन्हें 9670425088 नंबर से वीडियो कॉल आया था। कॉल पर दूसरी तरफ महिला ने कुछ देर बात की और फिर न्यूड हो गई। इसके बाद रविनंदन ने कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। करीब 11.10 बजे फिर वीडियो कॉल आया, लेकिन इस बार भी रविनंदन ने कोई बात नहीं।

20 मिनट बाद आया एडिटेड वीडियो: रविनंदन तिवारी ने बताया कि दूसरा कॉल डिस्कनेक्ट करने के करीब 20 मिनट बाद वॉटसऐप पर एक वीडियो आया। इसमें वही लड़की थी, पहले वीडियो कॉल कर रही थी। यह एक अश्लील वीडियो था। इस वीडियो में रविनंदन का चेहरा भी लगाया गया था। साथ ही इस वीडियो के साथ एक मैसेज आया जिसमें लिखा था, 'अगर चाहते हो कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल न हो तो उसे 50 हजार रुपए दे दे। ऐसा न करने पर वीडियो वायरल कर बदनाम कर देंगे। इसके बाद ब्लैकमेकर ने चैट से वह वीडियो डिलीट कर दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478